वर्ष-15, अंक-229
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार 24 नवम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

सुविचार

सपने देखना तो बस शुरुआत है, सपने को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत की जरूरत होती है

पहली ही चुनावी पारी में प्रियंका गांधी ने कर दिया कमाल, राहुल से ज्यादा वोट मिले

वायनाड। केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर प्रियंका गांधी ने बड़ी जीत हासिल की है। उन्होंने अपनी पहली ही चुनावी पारी में भाई राहुल गांधी को पीछे छोड़ दिया है। वायनाड से प्रियंका की जीत का मार्जिन चार लाख से भी ज्यादा है। इस साल हुए लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी ने वायनाड सीट को 3.65 लाख वोटों के मार्जिन से जीता था। अब प्रियंका ने उस मार्जिन को पीछे छोड़ते हुए बड़ी बढ़त हासिल कर ली है। दूसरे नंबर पर सीपीआई उम्मीदवार रहे। तीसरे नंबर पर बीजेपी की उम्मीदवार नव्या हरिदास रहीं। इस शानदार जीत के बाद प्रियंका गांधी ने कहा कि वायनाड से जीत का सबसे ज्यादा श्रेय राहुल को है। वहीं, वायनाड उपचुनाव में प्रियंका गांधी वाड्रा की बड़ी जीत महाराष्ट्र में कांग्रेस पार्टी को मिली हार के बावजूद चर्चा में है। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक भावुक पोस्ट लिखने के पीछे उनकी क्या सोच थी, तो प्रियंका ने बताया कि यह पोस्ट वायनाड के मतदाताओं और अपने परिवार को धन्यवाद देने के लिए था। इस पोस्ट में उन्होंने अपने पति रॉबर्ट वाड्रा, मां सोनिया गांधी, और दोनों बच्चों का जिक्र किया था, जो उनके जीवन के विशेष हिस्से हैं। इस सवाल पर कि वह इस विशाल जीत का श्रेय किसे देंगी, प्रियंका गांधी ने जवाब दिया - 'भाई राहुल को'। उन्होंने इसका कारण बताते हुए कहा कि राहुल गांधी ने 2019 से 2024 तक जिस तरह से वायनाड की सेवा की, उसी कारण आज यह जीत संभव हुई है। दरअसल, 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद राहुल गांधी ने उत्तरप्रदेश के रायबरेली से सांसद बने रहने का निर्णय लिया था, क्योंकि वह उनके परिवार की पारंपरिक सीट है। इसके कारण उन्हें केरल के वायनाड से सांसद के रूप में इस्तीफा देना पड़ा था और तभी तय हुआ कि प्रियंका वहां से चुनाव लड़ेंगी।

संभल में भारी बवाल ... जामा मस्जिद का सर्वे करने गई टीम पर पथराव

पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे, कई उपद्रवी गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश के संभल में रविवार को जमा मस्जिद के सर्वे के दौरान भारी बवाल हो गया। रविवार (24 नवंबर) सुबह पुलिस सुरक्षा के बीच जामा मस्जिद का सर्वे शुरू किया गया, लेकिन लोगों ने पथराव कर दिया। इस घटना से अफरा-तफरी का माहौल मच गया। पुलिस ने पत्थरबाजी करने वाले कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

स्थानीय लोगों ने सुबह 7 बजे सर्वे करने पुरातत्व विभाग की टीम पहुंची थी। सर्वे शांतिपूर्ण तरीके से शुरू किया गया, लेकिन कुछ देर बाद बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए और नारेबाजी करने लगे। पुलिस ने सख्ती दिखाई तो उन्होंने भी पत्थरबाजी शुरू कर दिया।

19 नवंबर को भी हुआ था सर्वे सीनियर एडवोकेट विष्णु शंकर जैन ने संभल की सिविल कोर्ट में याचिका दायर कर मस्जिद के मंदिर होने का दावा किया है। कोर्ट के आदेश में 19 नवंबर को भी स्थानीय पुलिस और मस्जिद प्रबंधन समिति के सदस्यों की मौजूदगी में सर्वेक्षण किया गया। पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे संभल की सिविल कोर्ट ने पुरातत्व विभाग से रिपोर्ट मांगी है। इसके लिए 19 नवंबर को भी सर्वे हुआ। पुरातत्व विभाग की टीम रविवार सुबह फिर मस्जिद का सर्वे करने पहुंची, लेकिन स्थानीय लोगों ने विरोध कर दिया। भीड़ नियंत्रित करने पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी दागे हैं।

शाही जामा मस्जिद की सुरक्षा बढ़ाई संभल में पथराव के बाद शाही जामा मस्जिद के आसपास भारी पुलिस बल तैनात कर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। फिलहाल, शांति व्यवस्था कायम है। पुलिस ने कुछ उपद्रवियों गिरफ्तार कर लिया है। इस दौरान मस्जिद के बारह बड़ी मात्रा में पत्थर और जूते चप्पल बिखरे पड़े थे।

यूपीएससी इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा का रिजल्ट घोषित, 206 इंजीनियरों को मिलेगी नियुक्ति

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा 2024 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया है, जिसमें 206 उम्मीदवारों को नियुक्ति के लिए अनुशंसित किया गया है। यूपीएससी ईएसई फाइनल रिजल्ट आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर शनिवार को घोषित किया गया। आधिकारिक सूचना के अनुसार, रोहित धोंडगे ने सिविल इंजीनियरिंग परीक्षा में टॉप किया है, मुनीश कुमार ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग परीक्षा में, राजन कुमार ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग परीक्षा में और हिमांशु थपलियाल ने इलेक्ट्रॉनिक और टेलीकॉम इंजीनियरिंग परीक्षा में टॉप किया है। इस बीच, आयोग ने कहा कि 43 अनुशंसित उम्मीदवारों की उम्मीदवारी अनंतिम है। आयोग ने अपने आधिकारिक नोटिस में कहा कि नियुक्तियां मौजूदा नियमों और उपलब्ध रिक्तियों की संख्या के अनुसार सख्ती से की जाएंगी। विभिन्न सेवाओं/ पदों पर उम्मीदवारों का आवंटन प्राप्त रैंक और उनके द्वारा व्यक्त की गई सेवाओं की वरीयता के अनुसार किया जाएगा। आयोग ने नियुक्ति के लिए सिविल इंजीनियरिंग के 92, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 18, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 26 और ई एंड टी इंजीनियरिंग के 70 उम्मीदवारों की सिफारिश की है। सामान्य श्रेणी में सबसे अधिक अनुशंसित उम्मीदवार (71) हैं, इसके बाद ओबीसी (59), एससी (34), ईडब्ल्यूएस (22) और एसटी (20) हैं। परीक्षा का लिखित भाग जून में आयोजित किया गया था, और साक्षात्कार या व्यक्तित्व परीक्षण अक्टूबर-नवंबर में हुए थे। 20 टॉपर्स के नाम इस प्रकार है- रोहित धोंडगे, हर्षित पांडे,लक्ष्मीकांत, डी. माधवकुमार, अमन प्रताप सिंह, संचित गोयल, सुनील सीरवी, रोहित कुमार, अंकित मीना, बड्डुगु राजेश, केतन कुमार सिन्हा, उष्णीश नंदन, पुष्पेन्द्र कुमार राठौर, धवल तायल, मोहम्मद शाकिब, अंकित आनंद, शिवम जिंदल, गद्दीपति यशवंत बाबू, आकाश तंवर और किशन कुमार।

निर्मला सीतारमण बोलीं- भारत को अपनी छवि पूंजीवादी देश वाली बनानी चाहिए

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत को एक जिम्मेदार पूंजीवादी राष्ट्र के रूप में ब्रांडिंग करने का आह्वान किया है, जिसमें पूंजीवाद की सीमाओं के बारे में देश की गहरी समझ पर जोर दिया गया है। इंडिया फाउंडेशन की ओर से आयोजित 8वें इंडिया आइडियाज कॉन्क्लेव में बोलते हुए, सीतारमण ने टिकाऊ जीवन और जिम्मेदार उपभोग के भारत के पारंपरिक मूल्यों पर बात की। उन्होंने कहा कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी जरूरत के अनुसार उपयोग करें न कि अपने लालच के अनुसार। हमें समझना चाहिए कि पूंजीवाद की अपनी सीमाएं हैं और हमें भारत को एक जिम्मेदार पूंजीवादी देश के रूप में ब्रांड करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत की ओर से सर्कुलर इकोनॉमी और पुनः उपयोग जैसे सिद्धांतों को अपनाना वैश्विक रुझानों से प्रेरित नहीं था, बल्कि आवश्यकता और जिम्मेदारी से प्रेरित था। सीतारमण ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि हमने सर्कुलर इकोनॉमी और पुनः उपयोग के सिद्धांत का पालन नहीं किया क्योंकि हम एक गरीब राष्ट्र थे। हमने इसे अपनी जरूरत के अनुसार उपयोग करना अपनी जिम्मेदारी के रूप में सोचा न कि अपने लालच के अनुसार। वित्तमंत्री ने कहा कि आर्थिक विकास के साथ जिम्मेदारी आती है, भारत में इस मानसिकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। निर्मला सीतारमण ने आधुनिक तकनीक और पारंपरिक ज्ञान को एकीकृत करके पर्यटन को बढ़ाने पर भी जोर दिया। उन्होंने देश भर के शीर्ष 100 पर्यटन केंद्रों में स्व-शिक्षण डिजिटल कार्यक्रम बनाने का सुझाव दिया। ये कार्यक्रम वास्तुकला के महत्व, पर्यटन मूल्य और संस्कृत और पाली जैसी संबंधित भाषाओं के बारे में जानकारी प्रदान कर सकते हैं।

महाविजय संबोधन: प्रचंड जीत पर पीएम मोदी बोले- महाराष्ट्र में विकासवाद

सुशासन की जीत हुई... झूठ, छल, फरेब बुरी तरह हारा

महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाला महायुति गठबंधन को जबरदस्त जीत मिली। इस प्रचंड जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार देर शाम बीजेपी मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। पीएम मोदी ने जय भवानी, जय शिवाजी के नारे के साथ अपना भाषण शुरू किया। उन्होंने कहा- महाराष्ट्र में विकासवाद और सुशासन की जीत हुई। एक हैं तो सेफ हैं, आज भारत का मूलमंत्र बन चुका है।

नई दिल्ली। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के नतीजे पूरी तरह से साफ हो चुके हैं। दोनों राज्यों में मौजूदा सरकारें वापसी करने जा रही हैं। महाराष्ट्र में जहां महायुति (बीजेपी-शिवसेना और एनसीपी) को प्रचंड बहुमत मिला है, वहीं झारखंड में हेमंत सरकार की वापसी हुई है। झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में जेएमएम, कांग्रेस और राजद ने बेहतर प्रदर्शन किया। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपानीत महायुति गठबंधन ने प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की है। कुछ महीनों पहले ही लोकसभा चुनाव संपन्न हुए थे, जिसमें बीजेपी की अगुआई वले महायुति गठबंधन को तगड़ा झटका लगा था। महाविकास अघाड़ी को अप्रत्याशित सफलता मिली थी। शरद पवार को इसके बाद महाराष्ट्र का चाणक्य कहा जाने लगा। विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद स्थितियां पूरी तरह से पलट चुकी हैं। शरद पवार का चुनावी कौशल उनकी पार्टी को महज 10 सीटें ही दिला सकीं। अब सवाल उठता है कि लोकसभा चुनाव के बाद महज 6 महीनों में ऐसा क्या हुआ कि बीजेपी बाहुबली बन गई और एमवीए दयनीय हालत में पहुंच गया बीजेपी के पीछे ऐसी कौन सी शक्तियों ने काम किया कि विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अभूतपूर्व सफलता हासिल कर ली। इसका जवाब है- आरएसएस। महाराष्ट्र में महायुति की प्रचंड जीत और बीजेपी की चुनावी सफलता में आरएसएस का बड़ा योगदान है। बीजेपी की अगुआई में महायुति ने जहां 230 का आंकड़ा पार कर लिया, वहीं महाविकास अघाड़ी महज 50 सीटों पर सिमट गई। कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (उद्धव गुट) की एक न चल सकी। महाराष्ट्र की राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले शरद पवार को शायद ही अपने राजनतिक करियर में इस तरह की करारी हार का सामना करना पड़ा हो। महाराष्ट्र में बीजेपी की सफलता की असल पटकथा आरएसएस ने चुनाव से पहले ही लिखनी शुरू कर दी थी। अब उसका नतीजा सबके सामने है।

झारखंड के आदिवसियों ने बीजेपी को किया खारिज एग्जिट पोल में झारखंड में बीजेपी और उसकी अगुवाई वाले एनडीए को स्पष्ट तौर पर विजेता के रूप में दिखाया जा रहा था, लेकिन रिजल्ट इससे साफ उलट रहा। चुनाव परिणाम बता रहे हैं कि वहां हेमंत सोरेन, झारखंड मुक्ति मोर्चा और इंडिया गठबंधन ने बंपर जीत हासिल की है। जाहिर है बीजेपी सारी ताकत झोंकने के बाद भी आदिवासियों को इंप्रैस नहीं कर पाई। झारखंड में चुनावों से पहले बीजेपी ने लव और लैंड जिहाद का मुद्दा जोरशोर से उठाया। हिंदू और मुस्लिम ध्रुवीकरण करने की कोशिश की लेकिन उनका यह कार्ड यहां उस तरह नहीं चला, जैसा उन्हें उम्मीद थी। उन्होंने चंपई सोरेन और सीता सोरेन को जेएमएस के खिलाफ ट्रंप कार्ड के तौर पर इस्तेमाल करने की कोशिश की, लेकिन वो भी नहीं चला। भाजपा ने झारखंड में चुनाव प्रचार में कोई कसर नहीं छोड़ी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह दोनों ने ही लाइव रैलियां कीं। पार्टी ने असम से अपने 'अवैध अप्रवासी विशेषज्ञ' हिमंत बिस्वा सरमा को बांग्लादेश से घुसपैठियों को आने देने के लिए सोरेन सरकार पर हमला करने के लिए बुलाया। भाजपा ने रैलियों में कहा कि झारखंड की माटी , बेटी और रोटी खतरे में है, साथ ही कहा कि ये घुसपैठिए ही हैं जो झारखंड के मूल निवासियों से जल-जमीन और जंगल छीन रहे हैं। लेकिन झारखंड के आदिवासियों ने बीजेपी की इस बात को खारिज कर दिया।

मप्र भाजपा की रणनीति ने महाराष्ट्र चुनाव में रचा इतिहास

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा ने महायुति के साथ जबरदस्त जीत हासिल की है। इस जीत में मध्यप्रदेश भाजपा की टीम और रणनीति की बड़ी भूमिका रही। मध्यप्रदेश में 2023 के विधानसभा चुनाव में अपनाए गए माइक्रो मैनेजमेंट और लाभार्थी केंद्रित प्रचार के मॉडल को महाराष्ट्र में दोहराया गया, जिसने पार्टी को शानदार परिणाम दिलाने में मदद की। मप्र की तर्ज पर महाराष्ट्र में 80 कमजोर सीटों की पहचान कर प्रत्येक बूथ पर 100 वोट बढ़ाने की रणनीति अपनाई गई। बूथ स्तर पर किए गए इन प्रयासों ने पार्टी को निर्णायक बढ़त दिलाई। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने मध्यप्रदेश भाजपा की कुशल रणनीति को पहचानते हुए महाराष्ट्र चुनाव में भी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी। मध्यप्रदेश भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद को विदर्भ क्षेत्र की कमान दी गई। उनके साथ महाराष्ट्र के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल, नरोत्तम मिश्रा, विश्वास सारंग, बंशीलाल गुर्जर और गजेंद्र पटेल ने विभिन्न क्षेत्रों में अपने अनुभव और प्रबंधन कौशल का उपयोग किया। मध्यप्रदेश की चर्चित लाड़ली बहना योजना को महाराष्ट्र में थोड़ा बदले हुए स्वरूप में 'लाडकी बहिण' के रूप में लागू किया गया। इससे महिला मतदाताओं का रुझान भाजपा की ओर बढ़ा। साथ ही, मप्र की तरह लाभार्थियों से सीधे संपर्क कर उन्हें पार्टी के पक्ष में मतदान के लिए प्रेरित किया गया। भाजपा के सूत्रों के अनुसार, मध्यप्रदेश भाजपा संगठन की अनुशासित और मजबूत स्थिति को राष्ट्रीय नेतृत्व ने सराहा। यही कारण है कि मप्र की टीम को महाराष्ट्र के जटिल चुनाव में अहम भूमिका दी गई, जिसे उन्होंने पूरी सफलता के साथ निभाया।

मध्यप्रदेश विधानसभा उपचुनाव में विजयपुर सीट से बीजेपी के लिए बुरी खबर आई। यहां पर बीजेपी की ओर से चुनाव लड़ रहे वन मंत्री रामनिवास रावत को हार का सामना करना पड़ा। विजयपुर सीट से कांग्रेस के मुकेश मल्होत्रा को जीत हासिल हुई है। पहले रामनिवास रावत कांग्रेस नेता हुआ करते थे, लेकिन फिर पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए और विधायक पद से भी इस्तीफा दिया। उनके इस्तीफे के बाद यह सीट खाली हो गई, जिस पर उपचुनाव कराया गया। बीजेपी ने रावत को ही अपनी ओर से टिकट देकर चुनावी मैदान में उतारा और कांग्रेस ने मुकेश मल्होत्रा पर भरोसा जताया। चुनाव में जनता ने कांग्रेस उम्मीदवार को जीत दिलाई है। वहीं, बुधनी विधानसभा सीट पर बीजेपी उम्मीदवार रमाकांत भार्गव 13,846 वोटों के अंतर से जीत हासिल कर ली है। कांग्रेस के राजकुमार पटेल को हार का सामना करना पड़ा। यह सीट केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के विधायक पद से इस्तीफा देने के बाद खाली हुई थी, जिस पर उपचुनाव कराया गया।

विजयपुर उपचुनाव का नतीजा चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए नतीजों के मुताबिक, कांग्रेस उम्मीदवार मुकेश मल्होत्रा को कुल 1,00,469 वोट मिले और बीजेपी प्रत्याशी रामनिवास रावत के खाते में 93105 वोट आए। दोनों में जीत हार का फर्क 7364 वोटों का रहा। वहीं, तीसरे स्थान पर भारतीय आदिवासी पार्टी (बाप) के नेतराम दवरिया सहरिया रहे और चौथे पर आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रत्याशी भारती पचौरी रहे।

बुधनी उपचुनाव का नतीजा बुधनी में बीजेपी प्रत्याशी रमाकांत भार्गव को कुल 1,07,478 वोट मिले। वहीं, कांग्रेस के राजकुमार पटेल को 93577 मत मिले। दोनों में जीत हार का फर्क 13901 वोटों का रहा। इसके अलावा, निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप भील तीसरे स्थान पर रहे, जिन्हें केवल 1824 वोट मिले। यानी यहां मुख्य मुकाबला केवल बीजेपी और कांग्रेस के बीच था।

मोदी बोले- महाराष्ट्र में सुशासन की जीत

महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा की भारी जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार शाम भाजपा मुख्यालय पहुंचे। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि आज महाविजय का उत्सव है। महाराष्ट्र में सुशासन की जीत हुई है और विभाजनकारी नीतियों की हार हुई है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र ने विकसित भारत के संकल्प को मजबूत किया है। प्रधानमंत्री ने कहा, आज देश के अनेक राज्यों में उपचुनावों के भी नतीजे आए हैं और लोकसभा की हमारी एक सीट और बढ़ गई है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और राजस्थान ने भाजपा का जमकर समर्थन दिया है। असम के लोगों ने भाजपा पर एक बार फिर भरोसा जताया है। मध्यप्रदेश में भी हमें सफलता मिली है। बिहार में भी एनडीए का समर्थन बढ़ा है। यह दिखाता है कि देश अब सिर्फ और सिर्फ विकास चाहता है।

नागपुर में काम आई विजयवर्गीय की रणनीति, अब और बढ़ेगा कद

इंदौर। इंदौर जिले से विधायक और सरकार में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को भाजपा नेतृत्व ने नागपुर जिले की 12 सीटों की जिम्मेदारी सौंपी थी। इनमें से 12 में से 9 सीटों पर भाजपा गठबंधन के उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है। इसके अलावा, विदर्भ में भी भाजपा का प्रदर्शन अच्छा रहा। विजयवर्गीय बीते तीन महीनों से महाराष्ट्र चुनाव में व्यस्त थे। इस दौरान वे कैबिनेट बैठकों में भी शामिल नहीं हो रहे थे। इसे लेकर मुख्यमंत्री और विजयवर्गीय के बीच तनातनी की खबरें भी आई थीं, लेकिन चुनाव के बाद हुई बैठक में विजयवर्गीय शामिल हुए तो इस चचाओं पर विराम लग गया। उधर, नागपुर जिले में भाजपा की सफलता से विजयवर्गीय का कद बढ़ना तय है। अन्य राज्यों के विधानसभा चुनाव में उनके महाराष्ट्र के प्रदर्शन को देखते हुए विजयवर्गीय को बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। बता दें कि महाराष्ट्र चुनाव में मध्यप्रदेश के इंदौर से तीन सौ से ज्यादा नेता जुटे हुए थे। जातिगत समीकरणों के हिसाब से विजयवर्गीय ने उन्हें अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी थीं। भाजपा संगठन ने जब उन्हें इंदौर की एक नंबर सीट से टिकट दिया था तो यह चर्चा होने लगी थी कि केंद्र में विजयवर्गीय की भूमिका कमजोर हो गई है। लेकिन, महाराष्ट्र चुनाव के नतीजों ने उन्हें फिर एक बार अपनी राजनीति चमकाने का मौका दे दिया।

नागपुर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का मुख्यालय भी है। जिले की ग्रामीण सीटों पर संघ की भी खासी पकड़ मानी जाती है। विजयवर्गीय ने नागपुर में तीन माह खूब मेहनत की। इस कारण उनके नंबर संघ की नजरों में भी बढ़ गए। विजयवर्गीय के साथ इंदौर से 300 से ज्यादा नेता व पदाधिकारियों की टीम जुटी थी।

फडनवनीस को बनना चाहिए सीएम कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि आम जनता को लगता महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवनीस को बनना चाहिए। अब गठबंधन और संगठन नेतृत्व को बैठकर तय करना है। इस पर हम निर्णय नहीं ले सकते है लेकिन कार्यकर्ता भी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर फड़नवीस को देखना चाहती है। संजय राऊत के गड़बड़ी की आशंका के बयान पर विजयवर्गीय ने कहा कि राऊत अपना फस्ट्रेशन बयान के जरिये बाहर निकाल रहे है। उद्धव ठाकरे को यह बात दिमाग से निकाल देना चाहिए कि राऊत उनके आदमी है। शरद पवार को मैं दाद दूंगा कि वे बड़ी चालाकी से अपने आदमी को दूसरे दल में प्लांट करते हैं।

पवार ने राउत को शिवसेना में प्लांट किया विजवर्गीय ने कहा कि राउत को शिवसेना में पूरी तरह पवार ने प्लांट किया है। महाराष्ट्र में शिवसेना की हार का बहुत बड़ा कारण संजय राऊत है। उन्होंने कहा कि शरद पवार और उद्धव का बेमेल गठबंधन है। उद्धव ठाकरे में कोई योग्यता नहीं है। वे सिर्फ बाला साहेब ठाकरे की बिगड़ैल संतान हैं। विजयवर्गीय ने कहा कि महाराष्ट्र के कार्यकर्तागणों ने जीवटता से काम किया। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के गलत नरेटिव बनाया था,लेकिन महाराष्ट्र की जनता को समझ में आ गया कि खोटा सिक्का बार-बार नहीं चलता। हमेशा दमदार सिक्का ही खनकता है। भाजपा की नीति, विचारधारा और मोदी के नेतृत्व पर महाराष्ट्र की जनता ने विश्वास जताया।

विदर्भ की 62 में से 55 सीटें जीते विजयवर्गीय ने कहा कि विदर्भ में 62 सीट थी। उसमें से 55 में भाजपा गठबंधन जीता है। सबसे बड़ी जीत विदर्भ की है। वहां इंदौर के कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने भी मेहनत की। बंटोगे तो कटोगे के नारे से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि चुनाव में कोई एक नारा काम नहीं करना। विकास का मुद्दा, मोदी का नेतृत्व, लाड़ली बहना जैसे मुद्दों का गुलदस्ता जनता को पसंद आया।

झारखंड को लेकर करेंगे विश्लेषण विजयवर्गीय ने कहा कि झारखंड चुनाव को लेकर मेरी शिवराज सिंह चौहान से बात होती थी। चुनाव में कहां कमी रह गई। इसका विश्लेषण किया जाएगा। लगता है कि वहां सहानुभूति का नारा काम कर गया। जेल के बदले वोट को नारा वहां चल रहा था। झारखंड में और कोई वजह नहीं थी कि भाजपा की सरकार न बने।

आरबीएल बैंक के टास्क मैनेजर पर जालसाजी का प्रकरण

जबलपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड को पहुंचाया नुकसान

इंदौर। आरबीएल बैंक की इंदौर स्थित विजय नगर शाखा के टास्क मैनेजर सहित अन्य के खिलाफ मदन महल पुलिस ने धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। जबलपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के बचत खाते को चालू खाते में परिवर्तित कर 75 लाख रुपये की वित्तीय नुकसान पहुंचाया गया है। बैंक द्वारा फर्जी स्टेटमेंट भी दिया गया था। पुलिस के अनुसार साल 2022 में आरबीएल बैंक इंदौर के कुछ प्रतिनिधि जबलपुर स्मार्ट सिटी ऑफिस आए थे। इस दौरान उन्होंने बचत खातों में 6.25 प्रतिशत की दर से ब्याज देने की बात कही थी। इसके बाद स्मार्ट सिटी ने बैक में खाता खुलवाते हुए 20 करोड़ रुपए जमा करवाए थे। बैंक ने ब्याज का जो विवरण उपलब्ध कराया था, वह फर्जी निकला। ब्याज के रूप में 1 करोड़ 31 लाख 23 हजार मिलने चाहिए थे परंतु दस्तावेज में ब्याज की राशि 56 लाख रुपए दिखाई दे रही है। जबलपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के बचत खाते को बिना अनुमति के चालू खाते में परिवर्तित कर दिया गया। बैंक ने खाते के संबंध में फर्जी स्टेटमेंट भी दिया था। वास्तव में ब्याज के रूप में लगभग 56 लाख रुपये ही जमा किए गए थे। इस तरफ बैंक द्वारा लगभग 75 लाख रुपये की आर्थिक क्षति पहुंचाई गई है। पुलिस ने बैंक के टास्क मैनेजर कुमार मयंक सहित अन्य अधिकारियों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी सहित अन्य धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर प्रकरण को विवेचना में लिया है। मदन महल थाने की पुलिस जांच के लिए इंदौर भेजी जा रही है।

यूरेशियन समूह की बैठक कल से, आने लगे विदेशी मेहमान

इंदौर। इंदौर में 25 से 29 नवंबर तक होने वाली यूरेशियन समूह (एईजी) और वर्किंग ग्रुप की बैठक के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसके साथ शुक्रवार से मेहमानों के आने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। शनिवार शाम 4 बजे से 7 बजे तक एयरपोर्ट पर बड़े डेलीगेशन्स पहुंचे। इसमें 100 से ज्यादा सदस्य है। सबसे बड़ा प्रतिनिधिमंडल रशियन फेडरेशन का है। इसमें रूस सहित 9 सदस्य देशों के ऑब्जर्वर देशों के प्रतिनिधि, वित्तीय और सुरक्षा संस्थानों के प्रमुख हिस्सा लेंगे। सदस्यों की आवाजाही और स्वागत के लिए एयरपोर्ट पर विशेष व्यवस्था की गई है। यह बैठक मुख्य रूप से मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद को फंडिंग के खिलाफ रणनीति बनाने के उद्देश्य से हो रही है। इस महत्वपूर्ण आयोजन में 28 नवंबर को प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल, कई केंद्रीय मंत्रियों सहित प्रदेश के मंत्री और अन्य जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

तिलक लगाकर हो रहा स्वागत अतिथियों का सत्कार तिलक लगाकर, पुष्पाहार पहनाकर किया जा रहा है। स्वागत शहनाई की मंगल ध्वनि के साथ किया जा रहा है। अतिथियों के आगमन के समय प्रदेश की सांस्कृतिक झलक भी प्रस्तुत की जा रही है। सभी अतिथियों के लिए शहर के विभिन्न होटल में आवास व्यवस्था की गई है। यहां पर उनके लिए मनी एक्सचेंज काउंटर भी बनाए गए हैं। सहयोग के लिए लाइजनिंग अधिकारी भी बनाए गए हैं।

केंद्र से करीब 50 वरिष्ठ अधिकारी पहुंचेंगे पांच दिनों तक ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होने वाली बैठक में भाग लेने के लिए केंद्र से करीब 50 वरिष्ठ अधिकारियों के इंदौर पहुंचने की उम्मीद है। बैठक में 350 की संख्या तक मेहमान शामिल हो सकते हैं।। इस लिहाज से सारी व्यवस्था की गई है। एयरपोर्ट पर डेलीगेट्स की सहायता के लिए विभिन्न कॉलेजों से 200 वॉलियंटर्स की एक टीम तैयार की गई है।

ऐतिहासिक स्थलों का दौरा करेंगे मेहमान अतिथि राजबाडा, लालबाग सहित ऐतिहासिक महत्व के अन्य पर्यटन स्थलों के साथ 56 दुकान, सराफा चौपाटी आदि स्थानों पर भी जाएंगे। इसके अलावा उनका मांडू किला और डेली कॉलेज का दौरा भी तय किया गया है। प्रशासन ने लालबाग, राजवाड़ा किला और छप्पन दुकान सहित इंदौर के ऐतिहासिक और लोकप्रिय स्थानों का एक ब्रोशर तैयार किया है। ब्रोशर में स्थानीय भोजन, संस्कृति और कला के बारे में भी जानकारी दी गई है। मेहमानों के लिए ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, सयाजी, वॉव और मैरियट सहित सभी छह होटलों में दो बसें खड़ी रहेंगी।

जिस बीआरटीएस को तोड़ने की तैयारी उस पर निगम ने करा दिया कलर

इंदौर। जनता की कमाई किस तरह फिजूलखर्च होती है। इसकी बानगी एक बार फिर इंदौर में देखने को मिली। हाल ही मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इंदौर यात्रा के दौरान बीआरटीएस को तोड़ने के निर्णय का जिक्र किया। उसके बजाए ब्रिज बनाए जाएंगे, लेकिन नगर निगम उस बीआरटीएस की बस लेन की कलर पेंट करा रहा है। जिसे भविष्य में तोड़ा जाएगा। दोनों तरफ के डिवाइडरों के अलावा रैलिंग पर हुए पेंट में नगर निगम ने लाखों रुपये खर्च कर दिए, जो किसी काम के नहीं रहेंगे। कोर्ट से अनुमति मिलते ही इसे तोड़ने का काम शुरू हो जाएगा।

यह कलर पेंट विजय नगर चौराहा से लेकर एलआईजी चौराहा तक पिछले सप्ताह ही कराया गया,क्योकि इंदौर में होने वाली इंटरनेशनल मीटिंग और स्वच्छता रैंकिंग सर्वे होना है। इस कारण बीआरटीएस को भी सजाया गया है। बस लेन की रैंलिग में सजावटी पौधे भी लगाए गए है, लेकिन वे सब तोड़ दिए जाएंगे। शहर की जनता भी सरकार के इस फैसले हैरान है,क्योकि यह देश का पहला बीआरटीएस प्रोजेक्ट था। जिसे केंद्र सरकार ने मंजूर किया था। इसके बाद पुणे, दिल्ली, अहमदाबाद में बीआरटीएस बना। इंदौर बीआरटीएस पर 300 करोड़ रुपये खर्च किए गए। 11 किलोमीटर लंबे बीआरटीएस पर चलने वाली बसों में हर दिन 70 हजार से ज्यादा यात्री करते है,लेकिन बीआरटीएस तोड़ने के निर्णय से 300 करोड़ के निर्माण तो टूटेगा,लेकिन शहर की लोक परिवहन व्यवस्था भी कमजोर हो जाएगी। उधर मेयर पुष्य मित्र भार्गव का कहना है कि 11 किलोमीटर लंबे मार्ग पर बसें संचालित होती रहेगी। सिर्फ बस लेन को हटाया जाएगा।

20 वर्षीय एमबीए छात्र ने फांसी लगाकर दे दी जान

इंदौर। इंदौर के गणेश पुरी कॉलोनी में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक घटना सामने आई, जब 20 वर्षीय एमबीए छात्र कार्तिक पाटीदार ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना तब पता चली जब शनिवार सुबह उसकी मां ने उसे फंदे पर लटका हुआ देखा। मां ने तुरंत घर के अन्य सदस्यों को बुलाया और सभी ने मिलकर बेटे के शव को फंदे से उतारा और उसे तुरंत एमवाय अस्पताल लेकर गए, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है, क्योंकि अब तक आत्महत्या का कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। खजराना पुलिस ने बताया कि मृतक कार्तिक पाटीदार गणेश पुरी कॉलोनी का रहने वाला था और एमबीए की पढ़ाई कर रहा था। इसके साथ ही वह अपने पिता नंदू पाटीदार के साथ खजराना गणेश मंदिर परिसर में लड्डुओं की दुकान संभालता था। परिवार के अनुसार, कार्तिक एक जिम्मेदार और मेहनती युवक था। घटना के वक्त परिवार के अन्य सदस्य एक शादी में गए हुए थे। कार्तिक घर पर अकेला था, और ऐसा माना जा रहा है कि उसी दौरान उसने यह कठोर कदम उठाया। परिजनों ने बताया कि कार्तिक का व्यवहार सामान्य था और किसी भी प्रकार की परेशानी का जिक्र उसने कभी नहीं किया। घर से या उसके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे आत्महत्या के पीछे का कारण स्पष्ट हो सके। कार्तिक के अंकल सतीश पाटीदार ने भी बताया कि परिवार में किसी प्रकार का विवाद या आर्थिक तंगी जैसी कोई समस्या नहीं थी। कार्तिक न केवल पढ़ाई में ध्यान दे रहा था, बल्कि पिता के व्यवसाय में भी मदद करता था। इस घटना ने पूरे इलाके में शोक की लहर पैदा कर दी है। कार्तिक का परिवार सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय रहता था, और वह खुद भी अपनी जिम्मेदारियों को लेकर सजग था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कार्तिक ने आत्महत्या जैसा कदम क्यों उठाया। मानसिक तनाव, व्यक्तिगत कारण या अन्य कोई वजह का पता लगाने के लिए पुलिस परिवार के सदस्यों और दोस्तों से बातचीत कर रही है।

शादी से लौट रहे दो भाइयों की मौत, पितृ पर्वत के पास ट्रक ने मारी टक्कर

इंदौर। इंदौर में पितृ पर्वत के पास शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक हादसे में दो भाइयों की मौत हो गई। दोनों भाई शादी समारोह से इंदौर लौट रहे थे, जब पितृ पर्वत के पास भैरव मंदिर के नजदीक एक ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में मृतकों की पहचान राहुल डाबी (35) और उनके भाई विनोद डाबी के रूप में हुई, जो ग्राम सोनगिर हातोद के निवासी थे। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना स्थल पर अंधेरा था, जिससे वे वाहन की टक्कर के बाद दूर जा गिरे। राहगीरों ने डायल 100 पर सूचना दी, जिसके बाद गांधी नगर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को अरविंदो अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने अधिक खून बह जाने के कारण उनकी मौत की पुष्टि की। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना के समय और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की मदद से अज्ञात वाहन का पता लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इसके अतिरिक्त, बाणगंगा क्षेत्र में एक अन्य घटना में पुलिस ने बाइक सवार युवक की मौत के मामले में डंपर चालक पर केस दर्ज किया है। 20 नवंबर की दोपहर, मृतक मनीष मोर्य (29), जो बिचौली हप्सी के निवासी थे, अपनी बाइक से देपालपुर से लौट रहे थे। लवकुश चौराहे पर डंपर चालक ने तेज और लापरवाहीपूर्वक गाड़ी चलाते हुए उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे गिरकर उनकी मौत हो गई। पुलिस ने डंपर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दोनों घटनाएं लापरवाह ड्राइविंग और सड़क सुरक्षा उपायों की कमी को उजागर करती हैं, जिनसे बचाव के लिए प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है।

बिजली के पोल में घुसी कार, होटल शेरेटन के रेस्टोरेंट मैनेजर की मौत

इंदौर। इंदौर में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात 3 बजे एक कार बिजली के पोल से टकरा गई। हादसे में होटल शेरेटन के रेस्टोरेंट मैनेजर की मौत हो गई। वे होटल से घर लौट रहे थे। हादसा एमआर-11 पर हुआ। उन्हें सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोट आई थी। पुलिस ने मृतक की जेब में मिले आईडी कार्ड से पहचान कर होटल स्टाफ को सूचना देकर मौके पर बुलाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के दो घंटे बाद एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। मृतक का नाम मनीष (36) पुत्र रवींद्र है। पुलिस ने शेरेटन होटल के स्टाफ को मौके पर बुलाया। स्टाफ ने मृतक की पहचान रेस्टोरेंट मैनेजर के रूप में की। स्टाफ ने बताया कि मनीष बायपास स्थित होटल से देर रात घर जाने के लिए निकले थे। होटल में एक इवेंट पार्टी थी। इसलिए मनीष होटल बंद होने तक वहीं रुके रहे। रात करीब 2.30 बजे से वे होटल से निकले। इस दौरान वे होटल गोल्डन लीव्स के नजदीक पहुंचे। यहां उनकी कार असंतुलित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई। स्टाफ के मुताबिक उन्होंने 7 महीने पहले ही होटल जॉइन किया था। परिवार में एक बेटा और पत्नी है। मनीष मूल रूप से बिहार के छपरा के रहने वाले थे। पुलिस ने बताया कि मनीष को एमवाय अस्पताल पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृतक घोषित कर दिया। स्टाफ से नंबर लेकर उनके परिवार को सूचना दे दी है। होटल के वरिष्ठ अधिकारियों को भी हादसे के संबंध में सूचित किया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

भोपाल में सीएम मोहन यादव ने रखी सबसे हाईटेक गौशाला की नींव

अब एक साथ 10,000 गायों के रहने की व्यवस्था होगी

भोपाल। राजधानी भोपाल से 20 किलोमीटर की दूरी पर बरखेड़ी डोब में प्रदेश की सबसे हाईटेक गौशाला बनेगी। सीएम मोहन यादव ने शनिवार को इसका भूमिपूजन किया। इसमें एक साथ 10 हजार गौवंश रखे जाएंगे। गायों के रहने के साथ-साथ इस गौशाला में गायों के इलाज की भी व्यवस्था होगी। मोहन सरकार प्रदेश में गायों के संरक्षण के लिए लगातार काम कर रही है। इस गौशाला में एक साथ 10 हजार गौवंश एक साथ रखे जा सकेंगे। हाईटेक गौशाला में ही चिकित्सा वार्ड भी बनेगा, यहां पर गौवंशों का इलाज भी किया जा सकेगा। गौशाला बरखेड़ी डोब में 25 एकड़ में बनेगी। इसमें सीसीटीवी कैमरों सहित कई आवश्यक संसाधन लगाए जाएंगे। ये सारी चीजें सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। भूमिपूजन के अवसर पर सीएम यादव ने कहा कि एमपी में देश के उत्पादन का 9 प्रतिशत दूध होता है। अगले 5 साल में इसे बढ़ाकर 20त्न करेंगे। जिस तरह सरकार गेहूं, धान में बोनस देती है, ठीक उसी तरह दूध खरीदने पर भी बोनस देगी। महाराष्ट्र में बीजेपी की जीत को लेकर कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने गोमाता को राज माता का दर्जा दिया है। वहां सरकार फिर बन रही है। उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में गो माता से जुड़े कोर्स शुरू करने की बात भी कहीं।

10 करोड़ रुपए होंगे खर्च गौशाला को बनाने में करीब 10 करोड़ रुपए की लागत आएगी। गौशाला में हरा चारा, भूसा और पशु आहार की सप्लाई के लिए अत्याधुनिक कन्वेयर बेल्ट सिस्टम भी स्थापित किया जाएगा। पहले फेज में 2 हजार गायों की क्षमता वाले क्षेत्र का निर्माण करने की योजना बनाई गई है। गौशाला में गायों के गोबर और मूत्र से जैविक खाद और अन्य सामग्री तैयार करने के लिए एक यूनिट भी लगाई जाएगी। इस यूनिट में जैविक खाद बनाकर इस्तेमाल किया जाएगा और बेचा जाएगा। वहीं, घायल और बीमार गायों के उपचार के लिए आधुनिक चिकित्सा वार्ड का निर्माण भी किया जाएगा।

अन्य जगहों पर भी बनाई जाएंगी हाईटेक गौशालाएं राजधानी भोपाल के साथ-साथ प्रदेश के कुछ और शहरों में इसी तरह की हाईटेक गौशाला आने वाले दिनों में बनाने का प्लान किया गया है। इसके अलावा गौ संरक्षण के लिए प्रदेश भर में 9 गौ अभ्यारण्य बनाने की भी सरकार तैयारी कर रही है। इन अभ्यारणों में आवारा मवेशियों के साथ-साथ ऐसी गायों को भी रखा जा सकता है जो दूध नहीं देती हैं।

सड़कों पर आवारा मवेशी पाए गए थे करीब ढाई महीने पहले कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने एक सर्वे कराया था। इसमें सड़कों पर आवारा मवेशी पाए गए थे। सर्वे में सड़कों पर 200 जगहों पर मवेशियों का डेरा दिखा, जिनकी कुल संख्या 6,000 के करीब थी। अयोध्या बायपास, कोलार रोड, रायसेन रोड, अशोका गार्डन, रातीबड़, नेहरू नगर, कोटरा, बैरागढ़ और हमीदिया रोड पर बड़ी संख्या में मवेशी सड़कों पर नजर आए थे। बारिश के दौरान सड़कों पर मवेशियों की संख्या बढ़ने से नगर निगम की टीमें उन्हें पकड़कर बाहर खदेड़ रही थीं।

रिकॉर्ड रखना और देखभाल करना आसान हो जाएगा भोपाल में 6 से ज्यादा स्थानों पर गोशाला हैं, जिनमें कुछ की क्षमता 50 तो कुछ की 100 मवेशियों की है। पूरे शहर से पकड़े गए मवेशियों की किस गोशाला में देखभाल हो रही है, इसकी मॉनिटरिंग नहीं होती। इस वजह से कई बार मवेशी मालिक भी मवेशियों के लिए भटकते रहते हैं। ऐसे में एक ही स्थान पर सभी मवेशियों को रखे जाने से उनका रिकॉर्ड रखना और देखभाल करना आसान हो जाएगा। वहीं, निगम को भी बड़ी गोशाला मिल जाएगी।

गौमूत्र-गोबर से खाद बनाने के लिए लगेगी यूनिट गौशाला में हरा चारा, भूसा और पशु आहार की सप्लाई के लिए मॉडर्न कन्वेयर बेल्ट सिस्टम भी स्थापित किया जाएगा। लगभग 15 करोड़ रुपए से स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट और जिला पंचायत गोशाला का निर्माण करेगी। संचालन नगर निगम करेगा। गोशाला में गायों के गोबर और मूत्र से जैविक खाद और अन्य सामग्री तैयार करने के लिए एक यूनिट भी लगाई जाएगी। घायल और बीमार गायों के उपचार के लिए आधुनिक चिकित्सा वार्ड का निर्माण किया जाएगा।

गैंगस्टर के बेटे ने सैफिया कॉलेज ग्राउंड में फायरिंग की गिरफ्तार

भोपाल। भोपाल के बदमाश यासीन मलिक का फायरिंग करते हुए वीडियो सामने आया है। वह सैफिया कॉलेज मैदान (कोहेफिजा) में कंट्रीमेड पिस्टल से गोलियां चलाता दिख रहा है। क्राइम ब्रांच ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से देसी पिस्टल को भी जब्त कर लिया गया है। एसीपी क्राइम ब्रांच मुख्तार कुरैशी ने बताया कि यासीन मलिक कोहेफिजा का रहने वाला है। उसके खिलाफ अपहरण, हत्या के प्रयास, मारपीट जैसे कई केस दर्ज हैं। हाल ही में सामने आए एक वीडियो में वह सैफिया कॉलेज मैदान में कार में पिस्टल को लोड करने के बाद गोलियां चलाता हुआ दिखा है। शनिवार सुबह उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। यासीन मलिक, भोपाल का गैंगस्टर रहा मुख्तार मलिक का बेटा है। 1 साल पहले उसने व्यापारी मनसब के पिता मशकूर खान (62) की बेसबॉल बैट से पिटाई की थी। वह अपने दो गुर्गों के साथ था। उसने घर के सामने कार लगाई और तीनों बेसबॉल बैट लेकर व्यापारी के पिता पर टूट पड़े थे। वे जान बचाकर घर के अंदर भागे, तो बदमाशों ने घर में घुसकर भी उनसे मारपीट की थी। इस हमले के एक दिन पहले यासीन और मशकूर के बेटे मनसब का विवाद हुआ था। इसी साल जनवरी में यासीन ने कलियासोत डैम के करीब एक यूनिवर्सिटी के छात्रों को पीटा था। उन पर आरोपी ने फायरिंग भी की थी। इसके बाद उसके खिलाफ रातीबढ़ थाने में धारा 308 के तहत केस दर्ज किया गया था। इस मामले में उसकी गिरफ्तारी कर जेल भेज दिया गया था। जेल से छूटने पर आरोपी का जगह-जगह उसके गुर्गों ने स्वागत कर खुशी में आतिशबाजी की थी।

एएसपी की नकली वर्दी पहनकर घूम रही थी युवती

- असली पुलिस से हुआ सामना

भोपाल। भोपाल के एमपी नगर में नकली पुलिसकर्मी पकड़े जाने के बाद अब टीटी नगर पुलिस ने एक नकली महिला एडीशनल एसपी को पकड़ा। एएसपी की वर्दी पहनकर युवती न्यू मार्केट पहुंची थी। यहां पर उसका सामना टीटी नगर थाने की महिला एसआई से हो गया। बातचीत के दौरान महिला एसआई समझ गई कि युवती नकली वर्दी पहने हुए हैं। उसे तुरंत ही थाने ले जाया गया। युवती के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। टीटी नगर पुलिस ने बताया कि रोजाना की तरह थाने के स्टाफ की महिला एसआई थाने के सामने से न्यू मार्केट के भीतर जाने वाले रास्ते पर तैनात थीं। इसी दौरान मस्जिद के पास की दुकानों के पास उन्होंने एडीशनल एसपी की वर्दी मे एक युवती को देखा। महिला एसआई उनके पास पहुंची तथा सैल्यूट कर बात करना शुरू की। इसी दौरान महिला एसआई की नजर महिला अधिकारी की वर्दी पर लगी नेम प्लेट पर पड़ी। उसमें नाम के नीचे अंकों में नंबर लिखे हुए थे। इस तरह के नंबर आरक्षक और प्रधान आरक्षक की नेम प्लेट पर होते हैं, जबकि अधिकारियों की नेम प्लेट पर केवल नाम ही होते हैं। शंका होने पर महिला एसआई ने अपने स्टाफ को इशारा किया तथा युवती से बातचीत करना शुरू कर दिया। इस दौरान महिला अधिकारी समझ गई कि वदीर्धारी युवती झूठ बोल रही है। उसे तुरंत ही थाने लाया गया जहां पर पूछताछ करने पर पता चला कि वह नकली वर्दी पहनकर घूम रही थी।

युवती का नाम शिवानी चौहान बताया गया है, वह इंदौर की रहने वाली है। उसने पीएससी की परीक्षा दी थी। जिसमें उसका चयन नहीं हुआ था, लेकिन घर वालों के तानों से परेशान होकर उसने बोल दिया उसका चयन पुलिस सेवा के लिए हो गया। कई महीनों तक जब उसने नौकरी ज्वाइन नहीं की तो घर वालों ने फिर से पूछना शुरू कर दिया। परेशान होकर शुक्रवार को वह अपनी बुआ के लडके के साथ भोपाल आई थी। घर वालों को उसने बताया था कि वह पुलिस मुख्यालय में ज्वाइनिंग देने के लिए जा रही है। भोपाल पहुंचने पर उसने लालघाटी इलाके में बुआ के बेटे से बोला कि अब तुम यहीं रुके मुझे पुलिस मुख्यालय में ज्वाइनिंग के बाद मीटिंग करना होगी। यहां से वह अकेली चली गई। शाम को जब वह एडीशनल एसपी की वर्दी पहनकर घूम रही थी तभी पुलिस के हत्थे चढ़ गई।

सफाई में लापरवाही...गंदगी मिलने पर 3 एएचओ को नोटिस, एक दरोगा सस्पेंड

भोपाल। सफाई में लापरवाही मिलने पर भोपाल के 3 एएचओ (सहायक स्वास्थ्य अधिकारी) को नोटिस थमाए गए हैं, जबकि 5 दरोगा-सुपरवाइजर का 15-15 दिन का वेतन काटने की कार्रवाई हुई है। एक दरोगा को कमिश्नर हरेंद्र नारायण यादव ने निलंबित कर दिया है। कमिश्नर यादव शनिवार सुबह शहर के कई इलाकों में सफाई व्यवस्था देखने पहुंचे थे। इसी दौरान सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिली। कचरे या ग्रीन वेस्ट में आग लगाने, कार्य में लापरवाही बरतने और निदेर्शों का पालन नहीं करने पर नोटिस, निलंबन और वेतन काटने की कार्रवाई की गई है। वार्ड-60 के नोडल अधिकारी केसी गुप्ता, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी राकेश शर्मा, राजीव सक्सेना और वाशुदेव उदेनिया को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। वार्ड-76 के दरोगा विजय बालूए, वार्ड-50 के दरोगा रंजीत करोसिया, वार्ड-45 एमपी नगर जोन-2 के सुपरवाइजर पंकज कुंडे एवं वार्ड-51 के दरोगा रंजीत मरोठिया का 15-15 दिवस का वेतन कटेगा। वार्ड-60 के दरोगा त्रिशूल तुनैया को निलंबित किया गया है।

मप्र मीणा समाज सेवा संगठन ने मृत्यु भोज नहीं करवाने का संकल्प लिया

भोपाल। मध्यप्रदेश मीणा समाज सेवा संगठन ने मृत्यु भोज न करवाने का संकल्प लिया है। इसकी शुरूआत मदनलाल रांझी परिवार की ओर से की गई। समाज के मुख्य संस्थापक एवं पूर्व महामंत्री स्वर्गीय मदनलाल रांझी की मां हिरिया बाई मीणा का 104 साल की आयु में गत दिवस स्वर्गवास हुआ। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को नबीबाग में किया गया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश मीणा समाज सेवा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष लालाराम मीणा द्वारा आग्रह किया कि संगठन के संस्थापक मदनलाल रांझी थे। उनकी भावना अनुसार मृत्यु भोज नहीं किया जाना चाहिए। इस आग्रह को रांझी परिवार के बच्चों, नाती-पोतों ने स्वीकार किया। घोषणा की कि समाज संगठन का निर्णय मानते हुए मृत्यु भोज आयोजित नहीं करेंगे। इस पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष लालाराम मीणा, प्रदेश महामंत्री मान सिंह रावत सहित वरिष्ठ समाज जनों द्वारा परिवार का आभार व्यक्त किया। कहा कि परिवार ने इस सामाजिक बुराई को समाप्त करने में भूमिका निभाई। अब इस परंपरा का समान में आगे पालन किया जाएगा।

वीरांगना झलकारी देवी की जयंती पर 251 दीप प्रज्जवलित किए गए

भोपाल। देश की स्वाधीनता की अग्रणी वीरांगना झलकारी बाई की शुक्रवार को कोरी-कोरी समाज सहित कई संगठनों ने जयंती मनाई। इस मौके पर रोशनपुरा चौराहा स्थित झलकारी पार्क में वीरांगना की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलित किया गया। संरक्षक अमरदीप कंसोरिया व महंत राममिलन साहेब ने प्रतिमा पर फूलमाला अर्पित कर उनके शौर्य का वर्णन किया। इसके साथ ही प्रतिमा स्थल पर 251 मिट्टी के दीप जलाकर आतिशबाजी की गई। कार्यक्रम में सर्वश्री महासभा के प्रदेश अध्यक्ष नवल किशोर कबीर पंथी, जिला अध्यक्ष सुरेश पंथी (कल्लू भैया), महासभा वरिष्ठ पदाधिकारीगण, दिलीप कोरी पंथी , विजय खोईया, भागीरथ कोरी, अनिल शाक्य, संतराम कबीर पंथी , राजाराम महावर, लाला राम वर्मा, दुर्गेश कबीर पंथी, गगन नायक, चिमनलाल शाक्य, हर्ष कबीर पंथी, मयंक कबीर पंथी , यशवर्धन कबीर पंथी मौजूद रहे।

मप्र की हवा में नहीं हो रहा सुधार, लोगों ने लोगों ने मॉर्निंग वॉक पर जाना बंद किया

भोपाल। देश में ठंड और कोहरे का असर लगातार बढ़ता देखने को मिल रहा है। वहीं हवा के स्तर में भी गिरावट देखी जा रही है। देश की राजधानी दिल्ली की तरह ही मध्यप्रदेश की हवा भी दिवाली के बाद से खराब होती जा रही है। खराब हवा और प्रदूषण के कारण लोगों ने मॉर्निंग वॉक तक बंद कर दी है। ग्वालियर, भोपाल और इंदौर जैसे बड़े शहरों की हवा का स्तर दिन प्रति दिन खराब होता जा रहा है। मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रदेश के पांच बड़े जिलों की बात करें तो प्रदेश में ग्वालियर जिले की हवा सबसे खराब रही है। यहां के सिटी सेंटर का एक्यूआई लेवल 329 दर्ज हुआ. इसके अलावा राजधानी भोपाल का एक्यूआई 290 रहा। अन्य बड़े जिलों की बात करें तो इंदौर में 246, उज्जैन में 219 और जबलपुर में 154 दर्ज हुई। वहीं नई दिल्ली की एयर क्वालिटी पहले से ही बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की गई। यहां कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट के मुताबिक की हवा एयर क्वालिटी इंडेक्स में डीपीसीसी इलाके में 499 रिकॉर्ड हुआ। वहीं इस समय मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल का हाल भी बेहद बुरा है। यहां हवा की गुणवत्ता में लगातार गिरावट देखी जा रही है। इसका मुख्य कारण आसपास के इलाकों में पराली जलाना और मेट्रो व सड़क निर्माण कार्य भी है। जर्रर सड़कों से निकलने वाली धूल-मिट्टी की वजह से भी यहां का हाल बुरा बना हुआ है। प्रदेश में लगातार हवा के गिरते स्तर और बढ़ते प्रदूषण के कारण अधिकतर लोगों ने सुबह की सैर पर जाना छोड़ दिया है। खराब हवा के चलते सांस से जुड़ी कई तरह की समस्याएं देखने को मिल रही है।

भोपाल के होटल में जबलपुर की युवती से रेप, केस दर्ज

भोपाल। जबलपुर की युवती के प्रयागराज में रहने वाले सोशल मीडिया फ्रेंड ने भोपाल के एक होटल में रेप किया। आरोपी ने युवती को जल्द शादी करने का भरोसा दिलाया था। अब आरोपी ने शादी करने की बात से साफ इनकार कर दिया है। तब पीड़िता ने जबलपुर में शिकायत की। वहां पुलिस ने जीरो पर केस दर्ज कर केस डायरी भोपाल की ऐशबाग पुलिस को सौंप दी है। ऐशबाग थाने के एसआई गया प्रसाद ने बताया कि जबलपुर पुलिस की ओर से एक जीरो पर कायम की गई एफआईआर की डायरी आई थी। जिसके आधार पर अजीम सलीम नाम युवक के खिलाफ दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज किया गया है। युवती ने अपनी शिकायत में बताया है कि वह जबलपुर जिले की रहने वाली है। इसी साल फरवरी के महीने में सोशल मीडिया के जरिए उसकी दोस्ती प्रयागराज निवासी अजीम सलीम नाम के युवक से हुई थी। उनके बीच जब प्रेम-प्रसंग हो गया तो दोनों के घरों में भी शादी की बातचीत चलने लगी। इसी दौरान अजीम युवती से मिलने जबलपुर आया। उसे घुमाने के बहाने भोपाल ले आया। यहां पर पुष्पा नगर स्थित एक होटल में रुका। जल्द ही शादी कर लेने का वादा करते हुए उसने युवती के साथ शारीरिक संबंध बना लिए। बाद में वह कई बार युवती से मिलने आया, अलग-अलग स्थानों पर उसका शारीरिक शोषण करता रहा। पिछले दिनों जब उसने शादी करने से मना कर दिया तो युवती ने मामले की शिकायत पुलिस को कर दी। पुलिस ने दुष्कर्म की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मंत्री गोविंद सिंह के निर्देश- प्रमुख सचिव-कमिश्नर करें खरीदी केंद्रौं का निरीक्षण

भोपाल। खाद्य और नागरिक आपूर्त मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने विभाग के अफसरों से कहा है कि खरीदी केंद्रों का निरीक्षण खुद प्रमुख सचिव और आयुक्त खाद्य करें। साथ ही किसी तरह की गड़बड़ी होने से रोकने के लिए फ्लाइंग स्क्वॉड गठित कर औचक जांच कराई जाए। खरीदी कार्य में संलग्न सर्वेयरों पर लगातार निगरानी रहे। कहा है कि तय समय पर मानक चावल न आने पर सिक्योरिटी राशि राजसात करने की कार्यवाही की जाए। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के मिलिंग नीति की समीक्षा की। उन्होंने अफसरों को कड़े निर्देश दिए कि उपार्जन के दौरान या उसके बाद होने वाली गड़बड़ियों को रोकने के लिए विभाग के प्रमुख सचिव और आयुक्त उपार्जन केंद्रों का औचक निरीक्षण करें। मंत्रालय में प्रस्तावित मिलिंग नीति की समीक्षा करते हुए खाद्य मंत्री राजपूत ने कहा कि व्यवस्था में सुधार लाने के लिए अफसर कड़े निर्णय लेने से गुरेज न करें। व्यवस्था में सुधार लाने के लिए किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता पाये जाने पर जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करें। खरीदी कार्यों में गड़बड़ी रोकने के लिए उड़न दस्ता बनाएं। उड़नदस्ता औचक रूप से केंद्रों का निरीक्षण करेंगे।

जिला प्रबंधक नियमानुसार कार्य करें मंत्री राजपूत ने कहा कि मैदानी स्तर पर जिला प्रबंधक नियमानुसार कार्य करें। मिलर्स को अनावश्यक रूप से परेशान न करें। खरीदी कार्य में संलग्न सर्वेयरों पर लगातार निगरानी करें तार्कि वह खरीदी के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही न करें। बैठक में प्रमुख सचिव खाद्य रश्मि अरुण शमी, आयुक्त खाद्य सिबि चक्रवर्ती, एमडी नागरिक आपूर्ति निगम पीएन यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मशीनों से होगी अनाज की सफाई भारतीय खाद्य निगम को उच्च गुणवत्ता का चावल प्रदान करने के लिए अनाज की सफाई मशीनों से कराई जाए। इस कार्य की पायलट प्रोजेक्ट के रूप में मंडला से शुरूआत की जाएगी। इसे बाद में पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा ताकि भारतीय खाद्य निगम को गुणवत्ता युक्त चावल दिया जा सके । प्रस्तावित नई मिलर्स नीति 2024-25 में पहली बार दंड का प्रावधान किया है। इसमें चावल की सूचना मिलर्स को प्राप्त होने की तारीख से 20 दिवस में मानक स्तर का चावल जमा कराना अनिवार्य होगा। ऐसा न होने की स्थिति में मिलर्स पर 2 रुपए प्रतिदिन प्रति क्विंटल का जुमार्ना लगाया जाएगा। साथ ही एक माह में मानक स्तर का चावल जमा न कराए जाने पर मिलर्स द्वारा जमा की गई सिक्योरिटी डिपाजिट राशि राजसात कर ली जाएगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि मिलर्स द्वारा भारतीय खाद्य निगम को प्रदान किए जाने वाले चावल की मात्रा 60 प्रतिशत से कम प्रदान करने पर मिलर्स को प्रोत्साहन राशि नहीं दी जाएगी।

संपादकीय

महाराष्ट्र की राजनीति में भी शुरू हो गया 'ध्रुवीकरण' का दौर!

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों में एनडीए गठबंधन की आंधी दिखाई दी। महाराष्ट्र की 288 सीटों में से बीजेपी के महायुति गठबंधन को 200 से ज्यादा सीटें मिली हैं। इसी तरह, यूपी की 9 विधानसभा सीटों के लिए हुए उपचुनावों में भी बीजेपी 7 सीटें मिली हैं। माना जा रहा है कि इस जीत की बड़ी वजह ध्रुवीकरण है। लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र के हिस्से में 48 सीटें आती हैं। इस चुनाव में महाविकास अघाड़ी को 30 और महायुति गठबंधन को 17 सीटें मिलीं। यानी उस वक्त जनता ने अपना झुकाव महाविकास अघाड़ी की ओर दिखाया। इसी के बाद से बीजेपी और संघ ने अपनी रणनीति बदली। दोनों ने बेहद सतर्कता बरतते हुए योगी और मोदी पर दांव लगाया। 2019 में हुए विधानसभा चुनाव के आंकड़ों पर नजर डालें तो बीजेपी को 105, शिव सेना (अविभाजित शिव सेना) को 56, एनसीपी (अविभाजित एनसीपी) को 54 और कांग्रेस को 44 सीटें मिलीं थीं। जिसके बाद शिव सेना, एनसीपी और कांग्रेस ने साथ मिलकर सरकार बना ली थी। हालांकि, यह गठबंधन ज्यादा दिनों तक सरकार नहीं चला सका। साल 2022 के जून में शिव सेना के आपसी विवाद के कारण एकनाथ शिंदे शिव सेना के एक गुट को लेकर अलग हो गए। वहीं अजित पवार भी एनसीपी के एक गुट को अपने साथ ले आए। इसके बाद वो बीजेपी और एकनाथ शिंदे की शिवसेना की सरकार में शामिल हो गए और उपमुख्यमंत्री बन गए। इसने एनसीपी के वोटरों को महायुति की ओर मोड़ने में अहम भूमिका निभाई। वहीं, शिंदे ने भी शिव सेना के वोटरों को महायुति से जोड़ने में सफलता पाई। महाराष्ट्र में मराठा फैक्टर और बेरोजगारी का मुद्दा महाविकास अघाड़ी के पक्ष में नहीं रहा है। दरअसल, वोटों के ध्रुवीकरण ने इन मुद्दों को कापी पीछे छोड़ दिया। वहीं, महायुति के लिए हिंदुत्व जैसा मुद्दा लाना जरूरी था जो देशभर में मजबूत रहा है। महायुति को जैसी उम्मीद थी, योगी और मोदी के नारे काम कर गए। हरियाणा में योगी आदित्यनाथ ने यह नारा उछाला था, जिसका नतीजा भाजपा की जीत के रूप में रहा। हालांकि, जब बीजेपी ने योगी के 'बंटेंगे तो कटेंगे' वाले बैनर महाराष्ट्र में लगाए तो इसकी तीखी प्रतिक्रिया हुई क्योंकि महाराष्ट्र में इस तरीके का हिंदुत्व नहीं चलता जो उत्तरप्रदेश या हरियाणा में चला है। मगर, नतीजे सामने आने के बाद यह साफ हो गया है कि महाराष्ट्र की राजनीति में भी ध्रुवीकरण का दौर शुरू हो गया। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने संविधान बचाओ का नारा दिया था। खासतौर पर यह नारा यूपी के लोकसभा क्षेत्रों में काम कर गया था। ये एक बड़ा नैरेटिव था जो महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में नहीं चल पाया। वहां केंद्र सरकार के खिलाफ जो माहौल था वो भी नहीं है। मराठा आरक्षण का दांव भी कांग्रेस का नहीं चला। माना जा रहा है कि महाराष्ट्र चुनाव में आरएसएस ने मोर्चा संभाल रखा था। हरियाणा की तरह यहां भी आरएसएस के लोग एक्टिव थे। दरअसल, लोकसभा चुनाव में यूपी में बीजेपी के खराब प्रदर्शन के पीछे संघ के चुनावों से दूरी को माना जा रहा था। मगर, जब बीजेपी यूपी में कई जगहों से हार गई तो फिर से चुनावों में संघ के लोगों को लगाया गया। मध्यप्रदेश की बीजेपी सरकार की लाड़ली बहन योजना के बाद महाराष्ट्र की महायुति सरकार ने भी इस साल जून महीने में मुख्यमंत्री-मेरी लाड़ली बहन योजना की शुरुआत की। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 1500 रुपए दिए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि बीजेपी की प्रचंड जीत में इस फैक्टर का भी बड़ा योगदान था। महाराष्ट्र चुनाव में महाविकास अघाड़ी गठबंधन में शामिल कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की एनसीपी महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर राज्य सरकार को घेर रही थी । ऐसे में विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी को उम्मीद थी कि उन्हें चुनाव में लोगों का साथ मिलेगा। मगर, नतीजे इसके उलट रहे। महाराष्ट्र में न तो सोयाबीन की एमएसपी की गारंटी का मुद्दा भी नहीं चला। अब बात शरद पवार की करते हैं। महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार के आखिरी दौर के वक्त राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के प्रमुख शरद पवार ने कहा था कि मुझसे पंगा लेना भारी पड़ सकता है। जिन लोगों ने मेरे साथ विश्वासघात किया है उन्हें सबक सिखाना जरूरी है। आज जब महाराष्ट्र चुनाव के नतीजे सामने आए तो शरद पवार की पार्टी को मुंह की खानी पड़ी है। शरद पवार की पार्टी को महज 12 सीटों पर जीत मिलती दिख रही है। इस बुरी हार के बाद यह सवाल उठने लगा है कि क्या 84 साल के शरद पवार अब राजनीति से संन्यास लेंगे? महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की वोटिंग से पहले शरद पवार ने चुनावी राजनीति से संन्यास के संकेत दिए थे। पवार ने कहा था कि अब वे चुनाव नहीं लड़ेंगे, हालांकि पार्टी संगठन का काम देखते रहेंगे। यानी एनसीपी चीफ के पद पर काम करते रहेंगे।

बहनों को 'नेग' अब चुनाव जीतने का शर्तिया फॉर्मूला

महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ भाजपानीत महाआघाड़ी की प्रचंड जीत और विपक्षी कांग्रेसनीत महाविकास आघाड़ी की दारूण पराजय एवं झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा की अगुवाई में यूपीए की सत्ता में शानदार वापसी के मूल में कॉमन फैक्टर इन राज्यों में सत्तारूढ़ सरकारों द्वारा महिलाओं को सीधा आर्थिक लाभ देना है। महाराष्ट्र में यह कमाल युति सरकार की 'लाडकी बहिण' योजना ने तो झारखंड में झामुमो गठबंधन सरकार की 'मइया सम्मान योजना' ने किया। उस पर योगी आदित्यनाथ के 'बटेंगे तो कटेंगे' नारे ने महाराष्ट्र में बहुसंख्यक वोटरों को महायुति और एनडीए के पक्ष में एकजुट होने को इस कदर प्रेरित किया कि महायुति के घटक अजित पवार की राकांपा द्वारा खड़े किए कुछ मुस्लिम उम्मीदवार भी इस लहर में तर गए।

इसी नारे की बिना पर योगी आदित्यनाथ उत्तरप्रदेश की 9 विधानसभा के उपचुनाव में 7 पर भगवा फहरा गए। इस चुनाव ने अब महाराष्ट्र में असली व नकली शिवसेना तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस की बहस को बेमानी करार दे दिया है, भले ही इसको लेकर कानूनी लड़ाई चलती रहेगी। महाराष्ट्र में पहली बार मतदाता ने ठाकरे परिवार के नेतृत्व चाहे उद्धव हो या राज ठाकरे, को लगभग नकार दिया है।

सत्ता के लोभ में बालासाहब ठाकरे का हिंदुत्व छोड़कर कांग्रेस व शरद पवार की राकांपा के साथ जाने वाले शिवसेना (उद्धव गुट) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और बरसों से महाराष्ट्र की राजनीति धुरी रहे शरद पवार के नेतृत्व की चमक को इस हार ने बहुत फीका कर दिया है।

समग्रता में महाराष्ट्र के चुनाव को समझें तो शरद पवार की चाणक्य नीति को इस चुनाव में केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के चाणक्य अमित शाह ने न केवल जबर्दस्त पटखनी दी है बल्कि विपरीत विचारधारा के उद्धव को राज्य का मुख्यमंत्री बनाकर जो घोड़ापछाड़ दांव पवार ने भाजपा के खिलाफ चला था, शाह ने उसका ब्याज समेत बदला ले लिया है। नतीजा यह रहा कि जिस राकांपा को मतदान के दिन तक मविअ का सबसे दमदार घटक माना जा रहा था, वह आघाड़ी की सबसे कमजोर कड़ी साबित हुई। शाह ने संघ की आलोचना के बाद भी अजित पवार को साथ रखा। लोकसभा चुनाव में चाचा से मात खाने के बाद भतीजे अजित पवार ने इस बार जमकर ताकत झोंकी और चाचा को साफ संदेश दे दिया कि अब उन्हें राजनीति से संन्यास ले लेना चाहिए।

अगर महाराष्ट्र में इस चुनाव में भाजपा को अब तक की सर्वाधिक सीटें मिली हैं तो इसका श्रेय उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस की मेहनत, पार्टी अनुशासन का पालन और धैर्य को भी जाता है। यूं तो महाराष्ट्र और झारखंड दोनो राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों पर पूरे देश की नजर थी। लेकिन महाराष्ट्र के नतीजे देश की भावी राजनीति तय करेंगे। लोकसभा चुनाव के बाद देश में मोदी मैजिक फीका पड़ने और हिंदुत्व की धार भोंथरी होने की बात कही जा रही थी, वह जादू अब नए जलवे के साथ लौट रहा है। यह हमने हरियाणा के विस चुनाव में देखा और अब महाराष्ट्र व यूपी में देख रहे हैं। हालांकि झारखंड में यह जादू नहीं चला तो इसकी वजह बीजेपी की गलत रणनीति और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी से आदिवासियों में उनके प्रति उपजी सहानुभूति ज्यादा थी। लेकिन महाराष्ट्र में पार्टी की प्रचंड जीत ने झारखंड की हार के गम को काफी हद तक धो दिया है।

यह बात अब कांच की तरह साफ है कि महिलाओं को आर्थिक मदद देकर मतदाता के रूप में उनका समर्थन जीतने का जो लाजवाब गेमचेंजर नुस्खा मप्र में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने ईजाद किया था, वह न सिर्फ भाजपा बल्कि हर सत्तारूढ़ पार्टी के लिए जीत का शर्तिया नुस्खा साबित हो रहा है।

यही कारण है कि महिलाएं बड़ी संख्या में वोट कर रही हैं और उस सत्तारूढ़ पार्टी के पक्ष में वोट कर रही हैं, जो हर माह उनके खाते में निश्चित राशि सीधे जमा कर रही है। सभी मुख्यमंत्री इस आर्थिक मदद को राज्य की बहनों को 'भाई का नेग' करार दे रहे हैं। बदले में बहनाएं उन पर वोट न्यौछावर कर रही हैं।

हरियाणा में हमने यह सैनी सरकार की 'लाडो बहना योजना' के रूप में तो महाराष्ट्र में लाडकी बहिण और झारखंड में 'मइया सम्मान योजना' के रूप में देखा। अब बाकी राज्यो में भी सरकारें अपनी सत्ताएं बचाने इसी राह बढ़ेंगी। संक्षेप में कहें तो अब महिलाएं ही सत्ता की रक्षक के रूप में उभर रही हैं।

आश्चर्य नहीं कि केंद्र में मोदी सरकार भी अगले आम चुनाव के पहले बहनों के लिए ऐसी ही कोई योजना लेकर आ जाए। इसमें खास बात यह है कि महिलाओं लाभार्थी बनाने के वादे विपक्षी पार्टियां भी अपने घोषणा पत्रों में उसी शिद्दत के साथ कर रही हैं, लेकिन बहनो को वादों से ज्यादा शायद देवाल भाई पर भरोसा है।

महाराष्ट्र चुनाव नतीजों में योगी आदित्यनाथ के चर्चित नारे बंटेंगे तो कटेंगे का भी गहरा असर दिखा है। अधिकांश सीटों पर हिंदू वोट महायुति के पक्ष में एकजुट हुए हैं। यह एकजुटता भी प्रति-एकजुटता के रूप में ज्यादा है। क्योंकि बंटेंगे तो कटेंगे में यह कहीं भी नहीं कहा गया कि एकजुटता का यह आह्वान निश्चित रूप से किसके खिलाफ है। लेकिन मुसलमानों ने इसे अपने खिलाफ माना और वे मोदी, योगी व भाजपा के विरूद्ध एकजुट हुए। हिंदू समाज में इसका प्रति ध्रुवीकरण स्वयमेव भाजपा व महायुति के पक्ष में हुआ। इस पूरे ध्रुवीकरण में कांग्रेस असहाय सी दिखी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी लोकसभा चुनाव की तरह इस बार भी हाथ में संविधान की प्रति लहराते संविधान बचाने की गुहार लगाते दिखे। लेकिन संविधान बचाने का मुद्दा उस काठ की हांडी की तरह साबित हुआ, जो विस चुनाव के चूल्हे पर नहीं चढ़ सकी। योगी के बाद पीएम मोदी ने एक हैं तो सेफ हैं का नारा दिया, उसका भी असर हुआ। मतदाताओं ने अपनी रोजमर्रा की तकलीफों, किसानों ने उपज का कम भाव मिलने की नाराजी, युवाओं ने बेरोजगारी जैसे जमीनी मुद्दों को दरकिनार कर महायुति को वोट किया।

महाराष्ट्र का यह पहला विधानसभा चुनाव है, जिसमें कोई भी पार्टी सदन में अधिकृत विपक्ष का दर्जा नहीं पा सकेगी। लोकसभा में अच्छा प्रदर्शन करने वाली कांग्रेस रणनीतिक असमंजस और कमजोर संगठन के कारण अपने न्यूनतम आंकड़े पर जा पहुंची है। इन नतीजों के बाद शरद पवार, उद्धव ठाकरे के साथ साथ कांग्रेस को भी अपने वजूद को टिकाए रखने की लड़ाई नए सिरे से लड़नी पड़ेगी। उधर यूपी में भी योगी आदित्यनाथ ने 9 में से 7 विधानसभा सीटें जीतकर 2027 के विस चुनाव का सत्ताधीश कौन होगा, इसकी इबारत लिख दी है।

महाराष्ट्र चुनाव में बीजेपी की जीत से योगी का बढ़ गया कद

महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनाव के साथ-साथ यूपी की 9 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजों की तस्वीर साफ हो गई है। बीजेपी की अगुआई वाली महायुति की महाराष्ट्र में प्रचंड आंधी चली है। 288 सीटों वाले सूबे में सत्ताधारी गठबंधन ने डबल सेंचुरी ठोक दी है। सियासी लिहाज से सबसे बड़े सूबे उत्तरप्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव में बीजेपी की अगुआई में एनडीए 7-2 से आगे रही। उपचुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की साख दांव पर लगी थी। दूसरी तरफ, झारखंड में बीजेपी को जबरदस्त झटका लगा है और कांग्रेस-जेएमएम-आरजेडी गठबंधन ने जबरदस्त जीत दर्ज की है। उपचुनाव तो 15 राज्यों की 46 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटों पर भी हुए लेकिन महाराष्ट्र, झारखंड के साथ-साथ यूपी में योगी आदित्यनाथ ने जबरदस्त चुनाव-प्रचार किया था। जाहिर है बीजेपी के कद्दावर नेता में तब्दील हो चुके यूपी के सीएम का कद अब और ज्यादा बढ़ाने वाला है। उन्होंने आक्रामक चुनाव प्रचार किया था और पूरा चुनाव एक तरह से उनके ही दिए नारे बटेंगे तो कटेंगे पर केंद्रित हो गया था।

यूपी की 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव में सीधे-सीधे योगी आदित्यनाथ की साख दांव पर लगी थी। यहां अगर बीजेपी का प्रदर्शन खराब होता तो इसका सीधा असर उनके सियासी भविष्य पर पड़ता। बतौर सीएम योगी आदित्यनाथ के पहले कार्यकाल में और अब दूसरे कार्यकाल के दौरान भी रह-रहकर ऐसी खबरें आती रहती हैं कि यूपी बीजेपी बंटी हुई है। एक तरफ योगी हैं तो दूसरे तरफ उनके खिलाफ भी कुछ स्वर मुखर होते रहते हैं। विपक्ष और खासकर अखिलेश यादव भी बीजेपी के भीतर कथित गुटबाजी को, दिल्ली बनाम लखनऊ की लड़ाई की अटकलों को हवा देने का कोई मौका नहीं छोड़ते। जाहिर है, घर में चुनाव हारने का मतलब होता सीधे-सीधे योगी आदित्यनाथ का कमजोर पड़ना। इतना कुछ दांव होने के बावजूद, योगी ने न सिर्फ यूपी उपचुनाव में प्रचार की खुद कमान संभाली, बल्कि व्यस्तता के बावजूद महाराष्ट्र और झारखंड में भी पार्टी के लिए जबरदस्त चुनाव प्रचार किया।

योगी आदित्यनाथ ने 5 नवंबर से 18 नवंबर तक 13 दिनों में धुआंधार प्रचार करते हुए महाराष्ट्र, झारखंड और उत्तरप्रदेश में 37 रैलियां की थी। इसके अलावा 2 रोडशो भी किए। महाराष्ट्र में उन्होंने महायुति के पक्ष में ताबड़तोड़ 11 रैलियां की। झारखंड में 4 दिनों के भीतर 13 रैलियां और यूपी की 9 सीटों पर उपचुनाव के लिए भी 5 दिन में 13 रैलियां और 2 रोडशो किए। योगी ने फूलपुर, मझवां, खैर और कटेहरी में 2-2 रैलियां की। गाजियाबाद और सीसामऊ में एक-एक रोडशो और एक-एक रैली की। कुंदरकी, करहल और मीरापुर में भी उन्होंने एक-एक रैली की। यूपी हो या महाराष्ट्र या झारखंड...पूरे चुनाव के दौरान योगी आदित्यनाथ का दिया नारा बटेंगे तो कटेंगे छाया रहा। पूरे चुनाव का केंद्र बिंदु बना रहा। योगी आदित्यनाथ ने हिंदू वोटों को ध्रुवीकृत करने और विपक्ष खासकर कांग्रेस के जातिगत जनगणना के दांव की काट के लिए ये नारा उछाला था। उनका नारा चुनाव में सुपर हिट साबित हुआ है। महाराष्ट्र में ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड ने महाविकास अघाड़ी के पक्ष में वोटिंग की खुल्लमखुल्ला अपील की थी। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के मौलाना सज्जाद नोमानी ने मुस्लिमों से एमवीए के पक्ष में वोट देने की अपील की। बीजेपी ने इसे वोट जिहाद के तौर पर प्रचारित किया। मुस्लिमों से इस तरह से किसी खास पार्टी या गठबंधन के पक्ष में वोट देने की अपीलों ने योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे नारे की अपील बढ़ा दी। कहीं न कहीं, इससे वोटों को ध्रुवीकरण हुआ और महायुति को इसका सीधा फायदा मिला। महाराष्ट्र में महायुति की जीत का श्रेय लाडकी बहना जैसी स्कीम और अन्य फैक्टर्स के साथ-साथ योगी आदित्यनाथ के आक्रामक चुनाव प्रचार को भी निश्चित तौर पर जाएगा। योगी आदित्यनाथ ने न सिर्फ बटेंगे तो कटेंगे, एक हैं तो नेक हैं, एक हैं तो सेफ हैं के नारे पर आक्रामक प्रचार किया बल्कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के एक बयान को भी लपक लिया। खड़गे ने कुछ चुनावी रैलियों में इस बात का जिक्र किया था कि कैसे जब वह छोटे थे तब उनकी मां और परिवार के कई सदस्यों को दंगे में मार डाला गया था। योगी ने खड़गे के इस बयान को लपक लिया और उन्हें चुनौती दी कि पूरी बात बताएं कि उनके परिवार वालों को किसने मारा था। उन्होंने अपनी रैलियों में कहा कि खड़गे इतनी हिम्मत नहीं जुटा पा रहे कि बता सकें कि उनके परिवार वालों को हैदराबाद के निजाम के रजाकारों ने मारा था।

यूपी उपचुनाव में भी योगी पूरे रौ में नजर आए। उम्मीदवारों के चयन से लेकर चुनाव प्रचार तक की कमान उन्होंने खुद संभाल रखी थी क्योंकि दांव पर उनकी साख और उनका सियासी भविष्य था। 9 में से 6 सीटों पर बीजेपी और 1 सीट पर सहयोगी आरएलडी ने जीती है। जबकि समाजवादी पार्टी सिर्फ 2 सीट पर ही जीती। इन 9 में से सिर्फ 3 सीट ही बीजेपी के पास थीं जो अब बढ़कर 6 हो गई हैं। वैसे ये सवाल लाजिमी है कि अगर बटेंगे तो कटेंगे महाराष्ट्र में हिट हुआ तो झारखंड में इसका असर क्यों नहीं दिखा? वहां बीजेपी क्यों हार गई? आखिर वहां योगी आदित्यनाथ का जादू क्यों नहीं चल पाया? झारखंड में इंडिया गठबंधन की जीत में कई फैक्टर हैं। मैया सम्मान योजना के तहत महिलाओं को सालाना 12 हजार रुपये की सम्मान राशि झारखंड में उसी तरह गेमचेंजर हुई, जिस तरह महाराष्ट्र में लाडकी बहना योजना। इसके अलावा, हेमंत सोरेन के जेल जाने, मुख्यमंत्री पद छोड़ने, जेल से बाहर आकर फिर से सीएम बनने और अपनी अनुपस्थिति में जिन चंपई सोरेन को सीएम बनाया उनका बीजेपी के पक्ष में पाला बदल...इन सब चीजों ने कहीं न कहीं, झारखंड मुक्ति मोर्चा के पक्ष में जनता के बीच सहानुभूति पैदा की। झारखंड में कोई मौलाना नोमानी या फिर किसी मुस्लिम संगठन ने किसी गठबंधन के पक्ष में वोट देने की सार्वजनिक तौर पर अपील नहीं की, जो महाराष्ट्र में हुई थी। इसलिए योगी आदित्यनाथ का बंटेंगे तो कटेंगे नारा उतना प्रभावी साबित नहीं हुआ, जितना महाराष्ट्र में हुआ था।

जिले के प्रभारी अधिकारी (ओआईसी) द्वारा जिले के अधिकारियों एवं एनएएस में चयनित विद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक आयोजित की गई

सभी योजनाओं एवं एनएएस सर्वे की तैयारियों की समीक्षा की गई

आदित्य द्विवेदी | सिटी चीफ

भिण्ड, भिण्ड लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल से जिले के प्रभारी अधिकारी (ओआईसी) सुमन कांत जैन द्वारा जिले के अधिकारियों एवं राष्ट्रीय अचीवमेंट सर्वे में चयनित विद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक आज जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित की गई जिसमें एनएएस सर्वे हेतु चयनित विद्यालयों के प्राचार्य, समस्त विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के समस्त शाखा प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक में सभी योजनाओं एवं एनएएस सर्वे की तैयारियों की समीक्षा करते हुए जैन द्वारा बताया गया कि एनएएस सर्वे अन्तर्गत सभी विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराते हुए नियमित मॉक टेस्ट एवं अभ्यास कराया जाए ताकि जिले की टॉप रैंकिंग आ सके। सत्र 24-25 का कक्षा 1 से 12 तक का शत प्रतिशत नामांकन 10 दिसंबर तक शिक्षा पोर्टल पर पूर्ण रूप से दर्ज कराया जाए उसके उपरांत पोर्टल बंद किया जाएगा। नामांकन दर्ज करने एवं सभी विद्यार्थियों के प्रोफाइल अपडेशन की सुविधा सभी शिक्षकों की यूनिक आईडी पर दी गई है। छात्रवृत्ति योजनाओं में जितने भी प्रकरण पेंडिंग हैं उन्हें 15 दिसंबर तक पूर्ण कराया जाए एवं 100 दिन से अधिक की सभी सीएम हेल्पलाइन का निराकरण तत्काल किये जाकर उसकी प्रविष्टि पोर्टल पर अद्यतन की जाए। स्थानांतरण, अतिशेष एवं उच्च पद प्रभार के जितने भी आदेश संचालनालय से जारी हुए हैं उनकी समीक्षा जिले और संकुल स्तर से की जाए और शत प्रतिशत रिलीविंग जोइनिंग की कार्यवाही पूर्ण की जाए। बच्चों की अपार आईडी शीघ्रता से बनवाई जाए ताकि सभी बच्चों का डिजिटल डेटाबेस तैयार हो सके। इससे पूर्व दिनांक 22 नवंबर को शा. हाईस्कूल टुडीला, कन्या उमावि गोहद एवं उत्कृष्ट विद्यालय गोहद का भी निरीक्षण ओआईसी द्वारा किया गया एवं आवश्यक निर्देश दिए गए। उपरोक्त बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी आरडी मित्तल, अतिरिक्त परियोजना समन्वयक आनंद शर्मा, निरीक्षण प्रभारी हरीबाबू शर्मा उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र चुनाव में मिली प्रचंड विजय पर भाजपा ने मनाया विजय उत्सव

आतिशबाजी कर बांटी मिठाईयां

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ

शाजापुर, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव तथा उत्तर प्रदेश उप चुनावों पर मिली प्रचंड विजय पर भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर विजय उत्सव मनाते हुए आतिशबाजी कर मिठाईयां बांटी गईं। जिलाध्यक्ष अशोक नायक के नेतृत्व में शनिवार शाम भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने पार्टी के जिला कार्यालय में एकत्रित होकर भारतीय जनता पार्टी के प्रचंड विजय पर मुंह मीठा कराया। महाराष्ट्र तथा उत्तर प्रदेश के विजय का असर पूरे प्रदेश सहित जिले में भी दिखाई दिया और पार्टी के विजय उत्सव पर जमकर आतिशबाजी की गई। जिला मीडिया प्रभारी विजय जोशी ने बताया कि दोपहर से ही परिणाम रूझानों को देखते हुए पार्टी कार्यकर्ता कार्यालय पर एकत्रित होने लगे थे और एक-दूसरे को बधाई देते नजर आए। वहीं जिलाध्यक्ष नायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनप्रिय योजनाएं और भारतीय जनता पार्टी के सिद्धांतों ने इस विजय का मार्ग प्रशस्त किया है। उत्तर प्रदेश उप चुनावों में मिली प्रचंड जीत योगी जी के कुशल प्रशासक होने का प्रमाण है। आज का चुनाव परिणाम ये प्रमाणित करता है सारा राष्ट्र अब भारतीय जनता पार्टी को स्वीकार कर चुका है और भारतीय जनता पार्टी ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकती है। विजय उत्सव कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला महामंत्री दिनेश शर्मा, विजयसिंह बैंस, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप चंद्रवंशी, गोपाल राजपूत, किरण ठाकुर, विपुल कसेरा, उमेश टेलर आदि उपस्थित थे।

कार के पेड़ से टकराने पर एक की मौत, चार घायल

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ

शाजापुर, अनियंत्रित होकर कार के पेड़ से टकरा जाने पर एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए सारंगपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना शनिवार सुबह 4.30 बजे अकोदिया मंडी के समीप केवड़ाखड़ी रोड़ पर घटित हुई, जब भोपाल से आगर जा रही कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। घटना में कार चालक आगर निवासी आयुष की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि राजेश, रवि, राहुल और योगेंद्र घायल हो गए। सूचना मिलने पर एम्बुलेंसकर्मी मौके पर पहुंचे और घायलों को एंबुलेंस 108 के पायलेट अशोक मालवीय एवं ईएमटी रघुवीरसिंह राठौड़ ने प्राथमिक उपचार देकर सारंगपुर अस्पताल पहुंचाया जहां घायलों का इलाज किया जा रहा है।

कांग्रेस महासचिव फुन्देलाल सिंह मार्को बने डिंडोरी जिले के प्रभारी

यशपाल सिंह जाट | सिटी चीफ

अनूपपुर, मध्यप्रदेश कांग्रेस की दो दिवसीय कार्यसमिति की बैठक शुक्रवार को संपन्न हो गई।इसमें प्रदेश पदाधिकारियों के दायित्व का निर्धारण कर दिया गया।जिसमें कांग्रेस के प्रदेश महासचिव पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक फुन्देलाल सिंह मार्को को डिंडोरी जिले का प्रभारी बनाया गया है। नियुक्त किए गए पदाधिकारियों को माह में कम से कम दो बार प्रभार वाले जिले का दौरा करना होगा और इसकी रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में देनी होगी।इसके आधार पर सबके काम का मूल्यांकन भी होगा।बैठक में पांच प्रस्ताव भी पास किए गए। बैठक में राष्ट्रीय महासचिव और प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह व प्रदेश अध्यक्ष जीतू

पटवारी ने पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अब संगठन को मजबूत करने पर फोकस करना है।संगठन का विस्तार गांव,वार्ड और मोहल्ला स्तर तक किया जाएगा।बूथ कमेटी के सदस्य भी इन्हीं समितियों में से बनाए जाएंगे।सबको मिलजुलकर आपसी सामंजस्य के साथ संगठन को विस्तार देना है।जनहित के मुद्दे स्थानीय स्तर पर प्रमुखता से उठाने के साथ पार्टी के कार्यक्रमों का निचले स्तर तक क्रियान्वयन की सामूहिक जिम्मेदारी होगी। पुष्पराजगढ़ विधायक फुन्देलाल सिंह मार्को को डिंडोरी जिले का प्रभारी नियुक्त किए जाने पर अनूपपुर जिले के कांग्रेस जनो ने प्रशंसा व्यक्त की है ,एवं कहां है कि प्रदेश में लोकतंत्र विरोधी और भ्रष्ट सरकार के खिलाफ संघर्ष सशक्त होगा।

शादी का झांसा देकर उज्जैन की युवती का शारीरिक शोषण करने वाला शाजापुर निवासी युवक गिरफ्तार

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ

शाजापुर, सगाई कर शादी का झांसा देकर उज्जैन निवासी युवती का लगातार शारीरिक शोषण करने वाले शाजापुर के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां उसे जेल भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उज्जैन निवासी युवती ने बीते दिनों थाना कोतवाली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई कि उसकी सगाई शिवम परमार पिता प्रमोद परमार निवासी मारवाड़सेरी शाजापुर से 26 नवंबर 2022 को उज्जैन में हुई थी। सगाई के बाद से उसकी शिवम की बातचीत होने लगी थी और शिवम उसे कई बार घुमाने के लिए शाजापुर और इंदौर भी ले गया जहां उसने शादी होने की बात कहकर शारीरिक संबंध बनाए। शुभम शादी का कहकर कई बार शारीरिक संबंध बनाता रहा, लेकिन जब शादी का कहा गया तो शिवम और उसके परिवार ने कुंडली में मंगल दोष होने की बात कहकर शादी करने से इनकार कर दिया। इस बाबत शिवम और उसके परिवार से कई बार संपर्क किया गया किंतु उन्होने शादी से

साफ मना कर दिया और समाज में बदनाम कर दिया। कोतवाली पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी शिवम परमार के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया। जांच अधिकारी आशा सोलंकी ने बताया कि आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेजा गया है।

घर और होटल में किया शारीरिक शोषण

पीड़िता ने शाजापुर के आरोपी शिवम के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर में बताया है कि आरोपी ने उसके साथ शाजापुर और इंदौर की होटल में शारीरिक शोषण किया है। पीड़िता ने बताया कि सगाई के कुछ माह बाद शिवम ने उसके घर आना-जाना शुरू कर दिया था और वह घर से बाहर घुमाने के लिए ले जाया करता था। चूंकि शिवम से सगाई हो गई थी और शादी होने वाली थी इसलिए परिवार के लोग उसके साथ घूमने भेज दिया करते थे। इसी बात का फायदा उठाते हुए शिवम ने पीड़िता के साथ शाजापुर अपने घर लाकर शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी ने युवती को आश्वस्त किया था कि वह उससे शादी करने वाला है, परंतु कई बार शारीरिक संबंध बनाने के बाद कुंडली में मंगल दोष बताकर शादी करने से इनकार कर दिया। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मानव श्रृंखला के माध्यम से दिया असाक्षर सर्वे का संदेश

डोर-टू-डोर सर्वे हुआ शुरू

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ

शाजापुर, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के अनुसार 15 से अधिक आयु वर्ग के असाक्षरों को नवसाक्षर करने हेतु प्रदेश के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस हेतु शनिवार से विकासखंड शाजापुर के सभी ग्राम, नगरीय वार्ड स्तर के प्रत्येक घर के असाक्षरों का सर्वेक्षण कार्य सर्वे कार्य ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों मोड में प्रारंभ किया गया।

कार्यक्रम के व्यवस्थित एवं पारदर्शी संचालन हेतु बनाए गए एनआईएलपी एमपी मोबाइल एप्प के द्वारा प्रत्येक असाक्षर की जानकारी रजिस्टर्ड की जा रही है। शाजापुर विकासखंड स्त्रोत समन्वयक योगेश भावसार ने बताया कि 23 नवंबर से 1 दिसंबर तक डोर-टू-डोर असाक्षर सर्वे की मॉनिटरिंग के लिए विकासखंड साक्षरता समन्वयक, विकासखंड अकादमिक समन्वयक, संकुल साक्षरता समन्वयक, जनशिक्षकों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उक्त आयोजन को प्रभावी बनाने की दिशा में जिला मुख्यालय स्थित एमएलबी उमावि परिसर में विद्यार्थियों के माध्यम से मानव श्रृंखला बनाकर प्राचार्य सतगांव केके अवस्थी, प्रभारी प्राचार्य मुकेश दुबे ने असाक्षर सर्वे का संदेश प्रसारित किया। वहीं सभी ग्राम, वार्ड स्तर पर जनप्रतिनिधियों के माध्यम से असाक्षर सर्वे कार्य का शुभारंभ किया गया।विकासखंड साक्षरता प्रभारी लोकेश राठौर ने असाक्षर सर्वे कार्य में सामुदायिक सहभागिता से इस कार्य को जन अभियान के रूप में करने का आह्वान किया। बीएसी जगदीश भावसार, जन शिक्षक शिवनारायण कराड़ा ने सर्वे कार्य का अवलोकन कर सर्वेकर्ताओं की कठिनाइयों का निदान किया।

कटनी में चिटफंड घोटाले का चौथा आरोपी गिरफ्तार

200 दिन में पैसा चार गुना करने के नाम पर करी थी 36 लाख की धोखाधड़ी

सुनील यादव | सिटी चीफ

कटनी, कटनी के कुठला पुलिस ने आज चिटफंड कंपनी संचालित करते हुए 36 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने वाले चौथे आरोपी को गिरफ़्तार कर लिया है। आपको बता दें कि यह मामला 200 दिन मे पैसा चार गुना करने का बीते वर्ष चर्चा में तब आया था जब रुपए चार गुणा करने के लालच में कई लोग ठगे गए। कुठला पुलिस के मुताबिक उक्त मामले मे पैसा चार गुना करने के नाम पर 36 लाख रुपए हड़पने के आरोप में चौथा आरोपी भी गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके पूर्व तीन आरोपियों को 2023 में ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चूका है। थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने बताया की धोखाधड़ी कर एक साल से फरार आरोपी विश्वजीत सिंह बड़वारा निवासी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके पूर्व तीन आरोपी पहले ही अरेस्ट हो चुके थे। 2023 में इस चिटफंड कंपनी की शिकायत कुठला थाने में हुई थी। कुठला थाना क्षेत्र पन्ना मोड़ पर स्श्वष्ट इनवेस्टमेंट के नाम से संचालित थी चिटफंड कंपनी धोखाधड़ी के आरोपी को अरेस्ट कर न्यायालय में पेश किया गया।

महाराष्ट्र में भाजपा नीत गठबंधन की शानदार जीत तथा यूपी एमपी सहित झारखंड में बेहतरीन प्रदर्शन पर भाजपा ने मनाया जश्न

जिलाध्यक्ष दीपक टण्डन बोले देश तोड़ने वाली ताकतों को मुंहतोड़ जवाब दिया जनता ने

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, आज कटनी के हर्दय स्थल सुभाष चौक में भाजपा नेताओं में महाराष्ट्र झारखंड में विधानसभा चुनाव तथा मध्यप्रदेश उत्तर प्रदेश बिहार में कुछ सीटों पर उप चुनाव के परिणाम के आते हो जमकर जश्न मनाया इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक टन्डन ने कहा कि महाराष्ट्र की जनता ने भाजपा तथा उसके सहयोगियों को जो बहुमत प्रदान किया उसने इतिहास रच दिया चुनाव के अंतिम दिन तक विपक्षी कांग्रेस तथा उसके सहयोगियों में सारे हथकंडा अपनाए पर जनता ने देश तोड़ने ओर बांटने की ताकत वाले दलों को मुंहतोड़ जवाब दिया इसी तरह उत्तर प्रदेश में 9 में 7 सीट जीतकर भाजपा ने फिर जनता आशीर्वाद लेकर विजय हासिल की।

सुभाष चौक में इस अवसर पर शाम 6 बजे से ही इकट्ठे हुए भाजपाजनों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाई जोरदार आतिशबाजी की गई ढोल नगाड़ों के साथ नारेबाजी करते हुए आम जन का भी मुंह मीठा कराया। मध्यप्रदेश में बुधनी सीट पर जीत के लिए भाजपा नेताओं ने बधाई दी।

इस जश्न के दौरान जिलाध्यक्ष दीपक टण्डन, महापौर प्रीति सूरी, पूर्व विधायक श्रीमती अलका जैन, महामंत्री सुनील उपाध्याय, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रामरतन पायल, पिछडा मोर्चा के प्रदेशा उपाध्यक्ष सुरेश सोनी, पूर्व महापौर शशांक श्रीवास्तव, रवि खरे, महिला मोर्चा अध्यक्ष सीमा जैन, मृदुल द्विवेदी, भंवर सिंह चौहान, मृदुल मिश्रा, अंकिता तिवारी, आशुतोष शुक्ला, सचिन तिवारी, रामू साहू, अक्षय श्रीवास्तव, गीता गुप्ता, सत्यव्रत त्रिपाठी, अवकाश जायसवाल आदि भाजपा नेता उपस्थित थे।

जीएम फसलों के विरोध में किसान संघ ने सौंपा ज्ञापन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, जीएम फसलों को लेकर भारतीय किसान संघ ने देवास पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। शाजापुर भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शनिवार को देवास पहुंचे और क्षेत्रीय सांसद महेंद्रसिंह सोलंकी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि जीएम फसलों की भारत में अनुमति नहीं दी जाए, जीएम बीज पर केंद्र सरकार जल्द से जल्द प्रतिबंध लगाए। ज्ञापन देते समय राजबहादुरसिंह गुर्जर, जिलाध्यक्ष सवाईसिंह सिसोदिया, जिला उपाध्यक्ष दिनेश कलमोदिया, जिला मंत्री मुकेश पाटीदार, जिला कोषाध्यक्ष ललित नागर, जिला सदस्य भागीरथ तोमर, तहसील अध्यक्ष बड़ोदिया शंकरसिंह कुंभकार, तहसील उपाध्यक्ष अशोक फौजी, शाजापुर नगर अध्यक्ष जितेंद्र पाटीदार सहित किसान संघ कार्यकर्ता मौजूद थे।

वैनगंगा पोटिया पाट में निर्माण कार्य को तत्काल रुकवाने ददिया सरपंच ने कि शिकायत

खुद कि पंचायती संभल नहीं रही, हमेशा रहते हैं विवादों में -रिषी पंछी भलावी

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ

लालबर्रा, नगर मुख्यालय से लगभग पांच किलोमीटर कि दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत ददिया व बम्हनी पंचायत के समनापुर मार्ग के वैनगंगा पोटियाघाट पर जो जिला पंचायत निधि से 23.50 लाख रुपए कि लागत से पनघट एवं रिटर्निंग वाल का निर्माण कार्य बम्हनी सरपंच द्वारा करवाया जा रहा है उक्त निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने व नियम विरुद्ध निर्माण कार्य कि शिकायत ग्राम सरपंच श्रीमती रिषी पंछी भलावी व जनपद पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मनीराम भोयर सहित ददिया के सैकड़ों ग्रामीणों ने तहसीलदार लालबर्रा, जनपद सीईओ लालबर्रा व थाना प्रभारी लालबर्रा से 22नवम्बर दिन शुक्रवार को कि है।

वहीं शिकायत पत्र में उल्लेख है कि पोटियापाट ददिया में बम्हनी सरपंच बी आर ढबाले द्वारा अनावश्यक व नियम विरुद्ध तरीके से निर्माण कार्य करवाया जा रहा है जबकि उक्त भुमि ददिया पंचायत कि सरहद में आती है। बिना ग्रामीणों से पुछे उक्त स्थान पर निर्माण कार्य प्रारंभ करवा दिया गया है जिसकी ददिया के ग्रामीणों को कोई जानकारी नहीं है। साथ ही किस मद से निर्माण कार्य करवाया जा रहा है किसी को कोई अता-पता नहीं है बम्हनी सरपंच बी आर ढबाले द्वारा ददिया के ग्रामीणों को बिना विश्वास में लिए कार्य प्रारंभ कर दिया गया है उक्त निर्माण कार्य तत्काल बंद किया जाये साथ ही संबंधित अधिकारी उक्त स्थल का निरीक्षण कर कार्यवाही कि मांग कि गई है। प्रेस

से चर्चा करते हुए ग्राम सरपंच श्रीमती रिषी पंछी भलावी ने बताया कि बेवजह ही नियम विरुद्ध तरीके से बम्हनी सरपंच द्वारा निर्माण कार्य करवाया जा रहा है जिसकी हमारे द्वारा शिकायत कर कार्यवाही कि मांग कि गई है।और वर्तमान में वैनगंगा के पोटिया पाट पर हर वर्ष कि तरह इस वर्ष भी 15 दिनों तक इसी स्थान पर मेला भी लगा हुआ है और हजारों कि संख्या में लोग दुर दुर से पोटियापाट पर घुमने आते हैं तथा मशीनों कि सहायता से नालीनुमा बनाकर गहरा कर दिया गया है, जिससे कोई भी दुर्घटना घटित हो सकती है, वहीं आगे चर्चा में बताई कि बम्हनी सरपंच से खुद कि पंचायती तो संभल नहीं रही है और दूसरे कि पंचायत में निर्माण कार्य करवा रहे हैं बम्हनी सरपंच हमेशा विवादों में घिरे रहते हैं औरअभी दस माह पहले ही बम्हनी सरपंच ने कुछ ग्रामीणों के दबाव में आकर अपने हि गांव के लक्षण तुमसरे व उसके परिवार वालों का गांव समाज से हुक्का पानी बंद करवा दिया है जो कि उसे अभी तक न्याय नहीं मिला है वह दस माह से लगातार न्याय पाने कलेक्टर कार्यालय, एसपी कार्यालय, तहसील व थाने के चक्कर पर चक्कर काट रहा है अभी तक लक्ष्मण व उसके परिवार वालों को न्याय नहीं मिल रहा है, अभी भी उसका गांव समाज से पुरी तरह से हुक्का पानी बंद है उसको किसी भी सामाजिक कार्य में शामिल नहीं किया जा रहा है पहले ऐसे पीड़ित लोगों को न्याय दिलवाये फिर निर्माण कार्य कि बात करें। वहीं शिकायत कर कार्यवाही कि मांग करने वालों में प्रमुख रूप से श्रीमती रिषी पंछी भलावी सरपंच ददिया, मनीराम भोयर जनपद पंचायत सदस्य प्रतिनिधि, तुलसीराम बोपचे पुर्व जनपद पंचायत सदस्य, पं. अनिल दुबे, राजेन्द्र भलावी, सुरेन्द्र ठाकरे, मानिक राम बोपचे, दिपेश बोपचे, जियालाल बोपचे, लेखराम बनकर, अंतराम कोले, मोनु आश्वाले, जगन्नाथ मते, जगदीश राणा, दिलेन्द्र भोयर, रेकचंद बिसेन, गणेश भगत, गणेश भोयर, अमृतलाल ठाकरे, प्रमोद हरिनखेडे, मानिकराम बोपचे, हेमराज राउत, तुलसीराम कड़ौकर, धीरेन्द्र हुमनेकर, सहित अन्य सभी लोगों ने कार्यवाही कि मांग कि है।

मीरापुर में चला योगी का नारा

रालोद उम्मीदवार मिथलेश पाल की हुई जीत

सुरेंद्र सिंघल (वरिष्ठ पत्रकार)

मुजफ्फरनगर (मीरापुर)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के राजनीतिक रूप से जागरूक मंडल सहारनपुर की मीरापुर विधान सभा सीट के आज आए नतीजे ने बडे राजनीतिक सबक ली है जो 2027 के उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनावों के लिए प्रमुख राजनीतिक दलों की रणनीति बन सकते है। रालोद की अति पिछडा पाल बिरादरी की उम्मीदवार मिथलेश पाल कमजोर और लो प्रोफाइल होने के बावजूद पश्चिम के ताकतवर मुस्लिम नेता कादिर राना की पुत्रवधू सुम्बुल राना को तीस हजार 426 मतो के भारी अंतर से जीतने में यूही सफल नहीं हो गई, चुनाव में रालोद सुप्रीमों जयंत चौधरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रतिष्ठा और रणनीति की परख होनी थी। सीट को खाली करने वाले रालोद सांसद चंदन चौहान और इसी दल के काबिना मंत्री अनिल कुमार की साख भी दांव पर थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी देशभर में बहुचर्चित नारे बटोगे तो कटोगे और एक रहोगे तो नेक और सुरक्षित रहोगे का भी परीक्षण होना था। नतीजे ने इन सभी को सही साबित कर दिया।

अखिलेश यादव को मीरापुर पर भरोसा था कि लोकसभा चुनाव वाली उनकी रणनीति यहां फिर से कामयाब हो जाएगी। इस सीट पर सवा लाख से ज्यादा मुस्लिम अकेले दम पर सपा प्रत्याशी को

जिता सकते थे। लेकिन मुस्लिमों के विभिन्न जातीय समूहों के बीच टकराव और वर्चस्व की होड ने मुस्लिम मतों को बिखेर दिया और अखिलेश यादव के अरमानों पर पानी फेर दिया। मायावती ने पहली बार इस चुनाव में उतरने का प्रयोग किया लेकिन दलितों के नए मसीहा के रूप में उबरे सहारनपुर के युवा और तेजतर्रार दलित नेता एवं नगीना के सांसद चंद्रशेखर ने इस चुनाव में बसपा उम्मीदवार शाहनजर को शर्मिंदा करने वाली स्थिति में पहुंचा दिया। जो मात्र 3181 मत ही ले पाए। जबकि चंद्रशेखर की आजाद समाज पार्टी के उम्मीदवार जाहिद हुसैन को 22 हजार चार सौ शानदार मत मिले। समीक्षक अरविंद भारद्वाज कहते है कि चंद्रशेखर की पार्टी को 50 फीसदी से ज्यादा दलित और 10 हजार मुस्लिम मत मिले। रालोद-भाजपा की जीत पर भाजपा के प्रमुख नेता और राजनीतिक जानकार जयप्रकाश तोमर कहते है कि योगी आदित्यनाथ के नारे का असर था कि योगी आदित्यनाथ हिंदुत्व का चेहरा बन गए थे। अरविंद भारद्वाज के मुताबिक क्षेत्र के जोझा बिरादरी के मुस्लिमों ने चंद्रशेखर का साथ देकर अखिलेश यादव को साफ संदेश दिया। अगले चुनाव में वे उन्हीं पर अपना दांव लगाए। यहां बाहर का मुस्लिम स्वीकार नहीं होगा। ध्यान रहे किसी बिरादरी के मौलाना जमील इसी सीट से बसपा के टिकट पर 2012 में विधायक चुने गए थे।

सपा की सम्बुल राना को 53 हजार 426 वोट मिले। जबकि असपा के जाहिद हसन को 22 हजार चार सौ, ओवैसी की पार्टी के उम्मीदवार मोहम्मद अरशद भी 18 हजार 867 वोट लेने में सफल रहे। स्पष्ट है कि इन दोनो मुस्लिम उम्मीदवारों की मिथलेश पाल को जिताने में निर्णायक भूमिका रही। क्षेत्रीय सांसद चंदन चौहान ने इस सीट पर मिथलेश पाल को बधाई देते हुए कहा कि मीरापुर अब विकास के पथ पर दोगुनी गति से दौडेगा। उन्होंने कहा कि मीरापुर क्षेत्र उनके दादा पूर्व उप मुख्यमंत्री चौधरी नारायण सिंह और प्रधानमंत्री रहे चौधरी चरण सिंह के प्रभाव का इलाका है। जाटों और गुर्जरों ने प्रतिष्ठा का सवाल बनाकर एकजुट होकर मिथलेश पाल को विधान सभा में भेजने का काम किया। देखना होगा मीरापुर के नतीजे से सियासी दलो के नेता किस तरह का सबक लेते है और अपनी रणनीति को कितना कारगर बनाते है ?

जनसामान्य की सुविधा के लिए एसडीए में मानचित्र सुविधा सैल का हुआ गठन

प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को अभियंता करेंगे मानचित्र एवं संपत्ति संबंधी समस्याओं का निस्तारण

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, सचिव सहारनपुर विकास प्राधिकरण ने जानकारी देते हुए बताया कि प्राधिकरण में ऑनलाईन मानचित्र, शमन मानचित्र, सम्पत्ति आदि समस्याओं के निराकरण एवं जनसामान्य की सुविधा के दृष्टिगत विकास प्राधिकरण में मानचित्र सुविधा सैल का गठन किया गया है। जिसके तहत प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को प्राधिकरण के सहायक अभियन्ता एवं अवर अभियन्ता कार्यालय सभागार में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर ऑनलाईन मानचित्र, शमन मानचित्र, सम्पत्ति आदि समस्याओं का त्वरित निराकरण करेंगे। जनसामान्य से अनुरोध करते हुए उन्होंने कहा कि अपनी मानचित्र और संपत्ति सहित अन्य समस्याओं को लेकर मंगलवार और शनिवार को विकास प्राधिकरण के कार्यालय सभागार में पहुंचे और अपनी समस्याओं का निस्तारण कराएं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने विशेष अभियान के तहत बूथों का किया निरीक्षण

डोर टू डोर सर्वे कर मृतकों का नाम सूची से हटाने के साथ अर्ह का जोडा जाए

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन संबंधित मतदान केन्द्रों पर कराए जाने के तहत दावे और आपत्तियां प्राप्त करने हेतु विशेष अभियान के अन्तर्गत जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल ने इस्लामिया ब्वायज इण्टर कॉलेज एवं आर्य शिक्षा निकेतन जूनियर हाई स्कूल पर चल रहे बूथों के कार्य का निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने अभियान के लिए निर्धारित विशेष तिथि को निरीक्षण कर संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी बूथ पर मृतक का नाम सूची में न रहे, इसके लिए डोर टू डोर सर्वे कर कर उनका नाम सूची से हटाया जाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन एक महत्वपूर्ण कार्य हैं इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य न होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बीएलओ को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्र के वार्ड, कस्बा, गांव में घर-घर जाकर आवश्यकतानुसार फार्म 6, 7 एवं 8 भरकर नियमानुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। उन्होंने बूथों पर उपस्थित बीएलओ को निर्देशित किया गया कि अर्हता तिथि 01 जनवरी 2025 को 18 व 19 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवक-युवतियों का नाम मतदाता सूची में अवश्य अंकित हो जाए।

डीएम मनीष बंसल ने पर्यवेक्षणीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि अवकाश के दिनों में विशेष अभियान के लिए निर्धारित तिथियों में छुट्टी का बोध न करते हुए घर से निकलकर मतदान केन्द्रों पर संचालित पुनरीक्षण कार्य का पर्यवेक्षण कर बीएलओ की उपस्थिति सुनिश्चित कराते हुए उनका मार्गदर्शन करें। उन्होने बीएलओ को ग्राम के सभी घरों में भ्रमण कर छूटे हुए महिलाओं, लड़कियों सहित मतदाता सूची में सम्मिलित होने की पात्रता

रखने वाले शत-प्रतिशत लोगों की वोट बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने ''एक भी पात्र व्यक्ति मतदाता बनने से न छूटे'' की हिदायत देते हुए कई बिंदुओं पर उनका मार्गदर्शन भी किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

धार धार से सुनील पागनिस धार पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार सिंह के मार्गदर्शन में धार पुलिस को थाना सरदारपुर एवं रिंगनोद चौकी क्षेत्र अन्तर्गत करीबन दो साल से लगातार पवन चक्कियों के इलेक्ट्रानिक पोल पर लगे एल्युमिनियम के तार चोरी के 02 आरोपियों को गिरफ्तार करने में मिली सफलता। टीम द्वारा आरोपियो के कब्जे से चोरी गये इलेक्ट्रानिक पोल के एल्युमिनियम तार करीबन 2 क्विंटल कीमति करीबन 01 लाख 50 हजार रुपये को बरामद करने में सफलता हासिल की गई।श्रीमान पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमारसिंह के निर्देशन में व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री डॉ. इन्द्रजीत बाकलवार, जिला धार के मार्गदर्शन में एवं एसडीओपी सरदारपुर श्री आशुतोष पटेल के नेतृत्व में लुट, डकैती, चोरी जैसे अपराधों पर रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सरदारपुर व चौकी रिंगनोद क्षेत्रान्तर्गत दो साल से लगातार पवन चक्कियां के इलेक्ट्रानिक पोल पर लगे एल्युमिनियम के तार चोरी के आरोपीयों को गिरफ्तार कर चोरी गये माल को बरामद करने में चौकी रिंगनोद थाना सरदारपुर पुलिस को मिली सफलता। पुलिस अधीक्षक धार श्री मनोज कुमार सिंह द्वारा थाना सरदारपुर एवं रिंगनोद चौकी क्षेत्र अन्तर्गत करीबन दो साल से लगातार पवन चक्कियों के इलेक्ट्रानिक पोल पर लगे एल्युमिनियम के तार चोरी की घटना में संलिप्त आरोपियों की पतारसी हेतु एसडीओपी श्री आशुतोष पटेल व थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप खन्ना व चौकी प्रभारी रिंगनोद उनि गुलाबसिंह भयडिया को उचित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था। इसी तारतम्य में दिनांक 22.11.2024 को मुखबीर की सूचना पर अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सरदारपुर श्री आशुतोष पटेल के नेतृत्व में थाना प्रभारी सरदारपुर निरीक्षक प्रदीप खन्ना व चौकी प्रभारी रिंगनोद उनि गुलाबसिंह भयड़िया की टीम द्वारा आरोपियान 1.कालु पिता प्यारसिंह अमलियार जाति भील उम्र 28 साल नि उण्डेढ थाना सरदारपुर जिला धार 2.मुकेश पिता धनसिंह भुरिया जाति भील उम्र 29 साल नि उण्डेढ थाना सरदारपुर जिला धार को गिरफ्तार कर उनसे पुछताछ की गई पुछताछ पर उपरोक्त दोनों आरोपियों के द्वारा थाना सरदारपुर के अपराध क्रमांक 421/22 धारा 379 भादवि, 2.अपराध क्र 354/24 धारा – 303(2) बी एन एस तथा 3.अपराध क्र 392/24 धारा ङ्क 303(2) बी एन एस में पवन चक्कियों के इलेक्ट्रानिक पोल पर लगे एल्युमिनियम के तार चोरी करना कबूल किया। आरोपियो के कब्जे से चोरी गये इलेक्ट्रानिक पोल के एल्युमिनियम तार करीबन 2 क्विंटल कीमति करीबन 01 लाख 50 हजार रुपये के जप्त किए गए हैं। गिरफ्तार शुदा आरोपियों से अन्य घटनाओं के बारे मे भी पुछताछ कि जा रही है।

कलेक्टर, एसपी ने मेडिकल स्टोर्स का औचक निरीक्षण किया

मेडिकल स्टोर पर प्रतिबंधित दवा विक्रय हेतु पाए जाने पर पंचनामा बनाकर आगामी कार्रवाई के निर्देश

विदिशा
कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी ने आज विदिशा शहर में संचालित मेडिकल स्टोर्स का औचक निरीक्षण किया।
विदिशा नगर के पुरानी जिला चिकित्सालय के समीप संचालित हो रहे मेडिकल स्टोर्स का औचक निरीक्षण के दौरान बालाजी श्री मेडिकल स्टोर में प्रतिबंधात्मक दवाए पाए जाने पर मौके पर ही पंचनामा बनाया गया है आगामी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेश तिवारी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान श्री बालाजी मेडिकल स्टोर में प्रतिबंधित दवाएं कॉडिलेक्स-टी (100 एम एल) दवा विक्रय हेतु राखी पाई गई। मेडिकल संचालक से उक्त प्रतिबंधित दवा के संबंध में खरीदी के बिल, वाउचर एवं चिकित्सक द्वारा जारी दवा का प्रेस्क्रिप्शन चाहा गया। दुकान संचालक द्वारा जांच के दौरान उक्त दवा खरीदी के बिल, प्रेस्क्रिप्शन, स्टॉक पंजी उपलब्ध नहीं कराई गई है। चूंकि उक्त दवा प्रतिबंधित है एवं चिकित्सक के प्रेस्क्रिप्शन के आधार पर ही क्रय की जा सकती है। इस आधार पर ड्रग इंस्पेक्टर के द्वारा मौके पर ही पंचनामा बने जाकर आगामी कार्यवाही की जा रही है। निरीक्षण के दौरान विदिशा एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा के अलावा अन्य चिकित्सक साथ मौजूद रहे।

देवास में अवैध रूप से उर्वरक विनिर्माण एवं भण्डारण करने पर

देवास
जिले में किसानो को कृषि आदन सामग्री उच्चगुणवत्ता एवं मानक स्तर की उपलब्ध हो इसलिये कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता के मार्गदर्शन में कृषि विभाग द्वारा गुण नियंत्रण अभियान चलाया जाकर कृषि आदान निर्माता / विक्रेताओ के गोदामो का सघन निरीक्षण कर नियमानुसार नमूने लेने की कार्यवाही जारी है।

उपसंचालक कृषि श्री गोपेश पाठक ने बताया कि मुखबीर की सूचना पर कालका पुरी दरगाह के पीछे उज्जैन रोड देवास हिन्द भूसा सप्लायर्स का बोर्ड लगे एक टीन शेड की छत वाले गोडाउन पर जिला स्तरीय एवं विकासखण्ड स्तरीय गुण नियंत्रण उडनदस्ता दल द्वारा औचक निरीक्षण किया। जिसमें निरीक्षण के दौरान उक्त गोडाउन में इंडियन पोटाश लिमिटेड कम्पनी की डीएपी अंकित प्रिन्टेड बोरियों में लगभग 203 बोरिया भरी एवं सील की गई एवं 27 बोरिया भरी हुई एवं बगैर सील की गई साथ ही इंडियन पोटाश लिमिटेड कम्पनी के अमोनियम फास्फेट सल्फेट 20 ‑ 20 ‑ 0 ‑ 13 के 33 बैग भरे हुऐ बगैर सीले तथा मोनी मिनरल्स एण्ड ग्रेण्डर्स यूनिट इण्डस्ट्रीयल एरिया मेघनगर झाबुआ मार्केटेड बाय सर्वश्रेष्ट एग्रो प्रोडक्ट 114 उज्जवल सीटी मालीखेडी , विदिशा रोड भोपाल के एनपीके 12‑32‑06 कृषि उन्नति अंकित प्रिन्टेड बोरियों के 04 बैग पैकिंग अवस्था में एवं 28 बैग भरे हुऐ बिना सीले पाये गये । इसके अतिरिक्त लगभग 600 बोरिया काले रंग के कच्चे माल से भरी अवस्था में पाई गई जिनमें पारादीप फास्फेट्स लिमिटेड कम्पनी की टीएसपी अंकित लगभग 100 खाली बोरी कृषि उन्नति एनपीके 12:32:06 की लगभग 400 खाली बैग , इंडियन पोटाश लिमिटेड कम्पनी का अमोनियम फास्फेट सल्फेट 20 : 20 : 0 :13 के लगभग 500 खाली बैग , इफकों कम्पनी के सागरिका की 10 किलोग्राम पैकिंग में 70 खाली बोरिया एवं 25 किलोग्राम की पैकिंग में लगभग 1000 खाली बोरिया , इंडियन पोटाश लिमिटेड कम्पनी का एमओपी अकिंत लगभग 500 खाली बोरिया , इंडियन पोटाश लिमिटेड कम्पनी की डीएपी अंकित लगभग 55 खाली बोरिया एक सिलाई मशीन चलित अवस्था में , दो सिलाई मशीन बंद अवस्था में एवं एक इलेक्ट्रानिक तुलाई मशीन के साथ ही कच्चे माल की लगभग 1000 अचिन्हाकिंत बोरिया पाई गई । गोदाम प्रभारी धीरज भडावदिया पिता मोहनलाल भडावदिया निवासी अग्रवाल नगर सिविल लाईन देवास से उक्त संबंध में जब आवश्यक दस्तावेज मांगे जाने पर दल को उपलब्ध नही कराये गये जिससे स्पष्ट होता है कि संबंधित द्वारा कूटरचित तरिके से बोरियों में अवैध रूप से नकली उर्वरकों के विनिर्माण एवं भण्डारण कर किसानों को सप्लाई किया जा रहा था जो कि उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 की धारा 7, 8 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 का स्पष्ट उल्लंघन होने से उक्त माल को जप्त कर थाना सिविल लाईन देवास की अभिरक्षा में दिया जाकर संबंधित के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट (स्नङ्घक्र) दर्ज कराई गई है। उक्त कार्यवाही श्री लोकेश गंगराडे सहायक संचालक कृषि , श्री राहुल जायसवाल वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एवं श्री दिनेश परमार कृषि विकास अधिकारी के द्वारा की गई ।

उपसंचालक कृषि श्री गोपेश पाठक ने बताया कि जिले में किसानो को उच्चगुणवत्ता एवं मानक स्तर का बीज , उर्वरक एवं कीटनाशक मिले सकें इस हेतु जिले में सघन अभियान चलाकर नमूनें लिये जाकर सत्त निरीक्षण किया जा रहा है ।

जनप्रतिनिधियों के सहयोग से आयुष्मान कार्ड बनाने के अभियान को दी जाएगी नई गति

इन्दौर

जनप्रतिनिधियों के सहयोग से वार्डवार लगाये जाएंगे शिविर।

मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी तथा कलेक्टर श्री आशीष सिंह की विशेष उपस्थिति में बैठक सम्पन्न।

इंदौर में 70 वर्ष तथा 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाने का अभियान लगातार जारी है। इस अभियान को जनप्रतिनिधियों के सहयोग से नई गति प्रदान की जाएगी। जनप्रतिनिधियों के सहयोग से इंदौर शहर में वार्डवार तथा ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायतवार शिविर लगाये जाएंगे। इस अभियान में जनप्रतिनिधियों का सहयोग सुनिश्चित करने के लिए आज यहां जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी तथा कलेक्टर श्री आशीष सिंह की विशेष उपस्थिति में इंदौर शहर और ग्रामीण क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना मालवीय, विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्री मनोज पटेल तथा श्री गोलू शुक्ला, श्री गौरव रणदीवे सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद थे। बैठक में मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि 70 वर्ष तथा 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाने का महत्वपूर्ण अभियान चल रहा है। हमारा जिला इससे पूर्व आयुष्मान कार्ड बनाने के अभियान में पूरे देश में अव्वल रहा है। इसी तरह 70 वर्ष तथा 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठजनों के आयुष्मान कार्ड बनाने के अभियान में भी इंदौर पूरे देश में अव्वल रहना चाहिये। इस

अभियान में सभी मिलकर सहयोग करें और निर्धारित लक्ष्य को जल्द पूरा करें। सांसद श्री शंकर लालवानी ने कहा कि यह अभियान मानव सेवा का बड़ा अभियान है। अगर हम किसी जरूरतमंद का कार्ड बनवाएंगे और उसका निःशुल्क इलाज होगा तो यह पीड़ित मानवता की बड़ी सेवा होगी। हम सबको मिलकर यह प्रयास करना चाहिये कि 70 वर्ष तथा 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वरिष्ठजनों के आयुष्मान कार्ड जरूर बन जायें। आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिये उन्हें परेशान नहीं होना पड़े, इसका हमें विशेष ध्यान रखना होगा। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बताया कि 70 वर्ष तथा 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाने के लिये विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। इसके तहत इंदौर शहर में वार्डवार तथा ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायतवार शिविर लगाये जा रहे हैं। जनप्रतिनिधियों का सहयोग लेकर इस अभियान को गति प्रदान की जायेगी और शीघ्र लक्ष्य पूर्ण करने के प्रयास किये जाएंगे। उन्होंने कहा कि सभी शिविरों में यह प्रयास किये जा रहे हैं कि उनका आधार कार्ड का अपडेशन भी वहीं हो जाये। उन्होंने बताया कि इंदौर जिले में लगभग तीन लाख बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाये जाने का लक्ष्य है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बताया कि इस कार्य में आशा कार्यकर्ताओं की मदद भी ली जा रही है। प्रोत्साहन स्वरूप उन्हें प्रति कार्ड बनाने पर 5 रूपये देने का आदेश भी जारी किया गया है। उन्होंने निर्देश दिये कि शिविर स्थल पर वरिष्ठजनों के लिये बैठक, छाया, पेयजल और शौचालय की व्यवस्था भी रखी जाये।

जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम के लिए चलाया जाएगा जागरूकता अभियान

खरगोन

25 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलेगा हम होंगे कामयाब पखवाड़ा

कलेक्टर अधिकारियों की बैठक लेकर दिए निर्देश

प्रदेश सरकार द्वारा जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम के लिए संपूर्ण प्रदेश में जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है । इसके अंतर्गत 25 नवंबर से 10 दिसंबर 2024 तक %हम होंगे कामयाब% पखवाड़ा मनाया जाएगा । खरगोन जिले में इस पखवाड़े का आयोजन के लिए कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने 23 नवंबर को अधिकारियों की बैठक लेकर उन्हें दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश सिंह, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती भारती अवास्या, जिला खेल अधिकारी श्रीमती पवी दुबे एवं इस अभियान से जुड़े अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि %हम होंगे कामयाब% पखवाड़ा के अंतर्गत 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक प्रतिदिन विविध गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा । इसके अंतर्गत बाल विवाह रोकथाम, गर्भस्थ शिशु की लिंग जांच, युवाओं से संवाद, परिचर्चा, स्कूल कॉलेज में जेंडर हिंसा पर रोकथाम के लिए संवाद कार्यक्रम, घरेलू हिंसा एवं बाल विवाह अधिनियम तथा कानूनी जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस पिछवाड़े के अंतर्गत शासकीय कार्यालय एवं अन्य स्थानों पर महिला कर्मचारियों का उत्पीड़न रोकने एवं उनके लिए टॉयलेट की सुविधा पर जागरूकता के कार्यक्रम किए जाएंगे। बैठक में तय किया गया कि %हम होंगे कामयाब% पखवाड़े के सभी आयोजन खरगोन नगर के विवेकानंद हाल में किए जाएंगे।

कलेक्टर श्री शर्मा ने इस पखवाड़े के अंतर्गत जिले में नवाचार करते हुए स्कूल कॉलेज की सभी छात्राओं के लिए आत्मरक्षा का प्रशिक्षण अनिवार्य करने के निर्देश दिए । इसी प्रकार जिले के सभी शासकीय कार्यालयों में महिला कर्मचारियों के लिए अलग टॉयलेट की उपलब्धता का सर्वे करने तथा कार्य स्थल पर महिलाओं के उत्पीड़न संबंधी शिकायतों का निराकरण 7 दिसंबर तक अनिवार्य रूप से निराकरण करने के निर्देश दिए । उन्होंने जिले में कार्यरत सभी आउटसोर्स कर्मचारियों एवं यात्री वाहनों के ड्राइवर, कंडक्टर, क्लीनर का पुलिस वेरिफिकेशन कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही यात्री बसों एवं ऑटो रिक्शा आदि में महिलाओं की सुरक्षा के लिए पैनिक बटन लगवाने के निर्देश दिए गए।

लेखक अमिताव घोष 'इरास्मस पुरस्कार के लिए नामित

कहा- जलवायु संकट को कर्म और धर्म के नजरिए से देखता हूं

प्रसिद्ध लेखक अमिताव घोष को जलवायु परिवर्तन संकट के इर्द-गिर्द अकल्पनीय की कल्पना विषय पर उनके योगदान के लिए मंगलवार को एम्स्टर्डम के रॉयल पैलेस में एक भव्य समारोह में 'इरास्मस पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। घोष दक्षिण एशिया के पहले ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है। घोष का जन्म कोलकाता में हुआ था। उन्होंने कहा कि वह एक ऐसे पुरस्कार के लिए चुने जाने पर ''बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं, जिसे दशकों से चार्ली चैपलिन और इगमार बर्गमैन जैसे कलाकारों से लेकर ट्रेवर नोआ तक विभिन्न क्षेत्रों की महान हस्तियों को प्रदान किया गया है। 'प्रीमियम इरास्मियनम फाउंडेशन ने इस पुरस्कार के लिए घोष को चुना है। घोष ने अगले सप्ताह नीदरलैंड में होने वाले पुरस्कार समारोह से पहले पीटीआई के साथ साक्षात्कार में कहा, ''मैं आशावाद और निराशावाद या आशावाद और निराशा के बीच के इस पूरे द्वैतवाद में बहुत विश्वास नहीं करता। मुझे लगता है कि भारतीय पृष्ठभूमि से होने के नाते मैं इन चीजों के बारे में कर्म और धर्म के संदर्भ में सोचता हूं। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि हालात चाहे कैसे भी हों यह हमारा धर्म है कि हम जो भी कर सकते हैं, करें। यह हमारा कर्तव्य है कि हम जो भी कर सकते हैं, करें और उन भयानक व्यवधानों को रोकने की कोशिश करें जो भविष्य में हमारे सामने आने वाले हैं। पुस्तक 'द ग्रेट डिरेंजमेंट' क्लाइमेट चेंज एंड द अनथिंकेबल के लेखक ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से जुड़े मुद्दों से निपटने के लिए वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र अवसंरचना संधि के तहत पक्षकारों के साथ मिलकर जिस तरह से काम किया जा रहा है वह बहुत ज्यादा असरदार नहीं है।

संघर्ष विराम के दबाव के बीच इजराइल ने दागी बेरूत पर मिसाइलें, कम से कम 20 लोगों की मौत

इजराइल ने बेरूत के मध्य क्षेत्र में शनिवार को कई मिसाइल हमले किए जिनमें कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजराइली हमलों में 66 लोग घायल हुए हैं। इजराइल ने लेबनान की राजधानी को एक सप्ताह से भी कम समय में चौथी बार निशाना बनाया है। लेबनान पर यह हमला ऐसे समय में किया गया है, जब इस सप्ताह अमेरिका के दूत अमोस होचस्टीन ने इजराइल और चरमपंथी संगठन हिजबुल्ला के बीच संघर्ष-विराम समझौता कराने के लिए क्षेत्र की यात्रा की थी। मंत्रालय के मुताबिक, इजराइल द्वारा किए गए हवाई हमलों में अब तक 3,500 से अधिक लोग मारे गए हैं, जबकि 15,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं और लगभग 12 लाख लोग विस्थापित हुए हैं। वहीं, लेबनान से लड़ाई में इजराइल के 90 सैनिक और कम से कम 50 नागरिक मारे गए हैं। लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, बेरूत पर स्थानीय समयानुसार तड़के चार बजे हमला किया गया, जिसमें आठ मंजिला एक इमारत ध्वस्त हो गई। हिजबुल्ला नेता अमीन शिरी ने कहा कि हमले के दौरान संगठन का कोई भी सदस्य इमारत के अंदर नहीं था। उन्होंने बताया कि हमले से आसपास की कुछ इमारतों की खिड़कियों के शीशे चटक गए और कई वाहनों को भी नुकसान पहुंचा। इजराइल की सेना ने हताहतों की संख्या पर कोई टिप्पणी नहीं की। लेबनान की सरकारी 'नेशनल न्यूज एजेंसी के अनुसार, शनिवार को दक्षिणी लेबनान के बंदरगाह शहर टायर में ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अन्य हवाई हमलों में पूर्वी शहर श्मस्टर में चार बच्चों सहित आठ लोगों की मौत हो गई और दक्षिणी क्षेत्र के रौमिन गांव में पांच लोग तथा उत्तरपूर्वी गांव बुदई में पांच लोग मारे गए।

निज्जर हत्या : भारत की फटकार पर कनाडा ने दी सफाई, मोदी, जयशंकर व डोभाल पर आरोप नकारे, कहा- ये गलत और आधारहीन

कनाडा सरकार ने भारत की फटकार पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की कथित साजिश समेत कनाडा में आपराधिक गतिविधियों से जोड़ने वाली मीडिया रिपोर्ट को खारिज कर दिया तथा इसे ''अटकलबाजी और गलत बताया। कनाडा के प्रधानमंत्री की राष्ट्रीय सुरक्षा एवं खुफिया सलाहकार नैथाली जी ड्रोइन ने बृहस्पतिवार को इस रिपोर्ट का खंडन किया। इससे एक दिन पहले भारत ने कनाडाई मीडिया की इस रिपोर्ट को ''बदनाम करने वाला अभियान करार देते हुए इसकी कड़ी भर्त्सना की थी। 'द ग्लोब एंड मेल अखबार ने एक अनाम वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी के हवाले से मंगलवार को कहा था कि कनाडाई सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी निज्जर की हत्या और अन्य हिंसक साजिशों के बारे में जानते थे। अखबार के अनुसार, अधिकारी ने कहा कि कनाडाई और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने हत्या के अभियानों को गृह मंत्री अमित शाह से जोड़ा है और डोभाल एवं जयशंकर भी इनसे अवगत थे। ड्रोइन ने 'प्रिवी काउंसिल कार्यालय द्वारा बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में कहा, ''14 अक्टूबर को, सार्वजनिक सुरक्षा के लिए एक बड़े खतरे के कारण आरसीएमपी और अधिकारियों ने भारत सरकार के एजेंटों द्वारा कनाडा में की गई गंभीर आपराधिक गतिविधियों के बारे में सार्वजनिक रूप से आरोप लगाने का असाधारण कदम उठाया। उन्होंने कहा, ''हालांकि, कनाडा सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी, मंत्री जयशंकर या एनएसए डोभाल को कनाडा के भीतर गंभीर आपराधिक गतिविधि से जोड़ने वाले सबूतों के बारे में कुछ नहीं कहा है और न ही उसे इसकी जानकारी है। इसके विपरीत की जा रही हर बात अटकलबाजी और गलत है। 'रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) आयुक्त माइक डुहेम ने 14 अक्टूबर को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारतीय सरकार के ''एजेंट से जुड़े ''सार्वजनिक सुरक्षा से संबंधित खतरे, व्यापक हिंसा और हत्याओं के संबंध में सचेत किया था। डुहेम के संवाददाता सम्मेलन के कुछ घंटों बाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने संवाददाताओं से कहा था, ''मेरा मानना है कि भारत ने कनाडाई लोगों पर हमला करने, उन्हें अपने घर में असुरक्षित महसूस कराने और हिंसा एवं यहां तक कि हत्या की वारदातों को अंजाम देने के लिए अपने राजनयिकों और संगठित अपराध का इस्तेमाल का चुनाव कर एक बड़ी गलती की है। यह अस्वीकार्य है। झकनाडा के उप विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन ने 26 अक्टूबर को आरोप लगाया था कि गृह मंत्री अमित शाह ने कनाडा में रह रहे सिख अलगाववादियों को निशाना बनाकर हिंसा करने, धमकाने और खुफिया जानकारी जुटाने का अभियान चलाने का आदेश दिया है। नयी दिल्ली में बुधवार को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'द ग्लोब एंड मेल की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा था कि ऐसे ''हास्यास्पद बयानों को उसी तरह से खारिज किया जाना चाहिए जिसके वे हकदार हैं। उन्होंने कहा था, ''इस तरह के बदनाम करने वाले अभियान पहले से ही तनावपूर्ण हमारे संबंधों को और नुकसान पहुंचाते हैं। खालिस्तानी अलगाववादियों को कनाडा द्वारा कथित रूप से समर्थन दिए जाने और भारत पर निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाए जाने के कारण भारत और कनाडा के संबंध काफी तनावपूर्ण बने हुए हैं। निज्जर की पिछले वर्ष जून में ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

भारत ने 300 अरब SD का नया जलवायु वित्त समझौता ठुकराया

भारत ने 'ग्लोबल साउथ के लिए सालाना कुल 300 अरब अमेरिकी डॉलर मुहैया कराने का लक्ष्य 2035 तक हासिल करने के जलवायु वित्त पैकेज को रविवार को यहां संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में खारिज कर दिया और इसे ''बहुत कम एवं बहुत दूर की कौड़ी यानि *'Too Little, Too Late'* बताया। वित्तीय मदद का 300 अरब अमेरिकी डॉलर का आंकड़ा उस 1.3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से बहुत कम है, जिसकी मांग 'ग्लोबल साउथ देश जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पिछले तीन साल से कर रहे हैं। 'ग्लोबल साउथ का संदर्भ दुनिया के कमजोर या विकासशील देशों के लिए दिया जाता है। आर्थिक मामलों के विभाग की सलाहकार चांदनी रैना ने भारत की ओर से बयान देते हुए कहा कि उन्हें समझौते को अपनाने से पहले अपनी बात नहीं रखने दी गई जिससे प्रक्रिया में उनका विश्वास कम हो गया है।

उन्होंने कहा, ''यह समावेशिता का पालन न करने, देशों के रुख का सम्मान न करने जैसी कई घटनाओं की पुनरावृत्ति है... हमने अध्यक्ष को सूचित किया था, हमने सचिवालय को सूचित किया था कि हम कोई भी निर्णय लेने से पहले बयान देना चाहते हैं लेकिन यह सभी ने देखा कि यह सब कैसे पहले से तय करके किया गया। हम बेहद निराश हैं। रैना ने कहा, ''यह लक्ष्य बहुत छोटा और बहुत दूर की कौड़ी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसे 2035 तक के लिए निर्धारित किया गया है, जो बहुत दूर की बात है। रैना ने कहा, ''अनुमान बताते हैं कि हमें 2030 तक प्रति वर्ष कम से कम 1.3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, ''300 अरब अमेरिकी डॉलर विकासशील देशों की जरूरतों और प्राथमिकताओं के अनुरूप नहीं हैं। यह सीबीडीआर (साझा लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारी) और समानता के सिद्धांत के साथ अनुरूप नहीं है। इस दौरान राजनयिकों, नागरिक समाज के सदस्यों और पत्रकारों से भरे कक्ष में भारतीय वार्ताकार को जोरदार समर्थन मिला। रैना ने कहा, ''हम इस प्रक्रिया से बहुत नाखुश और निराश हैं और इस एजेंडे को अपनाए जाने पर आपत्ति जताते हैं।

नाइजीरिया ने भारत का समर्थन करते हुए कहा कि 300 अरब अमेरिकी डॉलर का जलवायु वित्त पैकेज एक ''मजाक है। मलावी और बोलीविया ने भी भारत को समर्थन दिया। रैना ने कहा कि परिणाम विकसित देशों की अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने की अनिच्छा को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि विकासशील देश जलवायु परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं और उन्हें अपने विकास की कीमत पर भी कम कार्बन उत्सर्जन वाले माध्यम अपनाने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्हें विकसित देशों द्वारा अपनाए गए कार्बन सीमा समायोजन तंत्र जैसे एकतरफा कदमों का भी सामना करना पड़ रहा है। रैना ने कहा कि प्रस्तावित परिणाम विकासशील देशों की जलवायु परिवर्तन के अनुसार ढलने की क्षमता को और अधिक प्रभावित करेगा तथा जलवायु लक्ष्य संबंधी उनकी महत्वाकांक्षाओं और विकास पर अत्यधिक असर डालेगा। उन्होंने कहा, ''भारत वर्तमान स्वरूप में इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करता।

विकासशील देशों के लिए यह नया जलवायु वित्त पैकेज या नए सामूहिक परिमाणित लक्ष्य (एनसीक्यूजी) 2009 में तय किए गए 100 अरब अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य का स्थान लेगा। समझौते पर वार्ता के बाद जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि देश विभिन्न स्रोतों - सार्वजनिक और निजी, द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय तथा वैकल्पिक स्रोतों से कुल 300 अरब अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष मुहैया कराने का लक्ष्य 2035 तक हासिल करेंगे। दस्तावेज में 1.3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का आंकड़ा है लेकिन इसमें सार्वजनिक और निजी सहित ''सभी कारकों से 2035 तक इस स्तर तक पहुंचने के लिए ''एक साथ काम करने का आह्वान किया गया है। इसमें केवल विकसित देशों पर ही जिम्मेदारी नहीं डाली गई है।

लूटपाट करने वाला कैश खान गिरफ्तार, पुलिस की परेड में बोला अपराध करना पाप है, पुलिस हमारा बाप है

नेशनल डेस्क ॰ छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पुलिस ने एक हिस्ट्रीशीटर अपराधी को गिरफ्तार कर उसकी परेड निकाली, जिससे उसकी अहंकार पूरी तरह टूट गई। इस अपराधी का नाम कैश उर्फ गौस खान है। वह सड़कों पर घूम कर लोगों को धमकाकर लूटपाट करता था। पुलिस ने उसे पकड़ कर उसकी सरेआम परेड करवाई, जिसके बाद उसने अपराध करना पाप है, पुलिस हमारा बाप है जैसे शब्द कहे। अब उसका यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है

कैश उर्फ गौस खान का इतिहास कैश उर्फ गौस खान रायपुर के आजाद चौक थाना का हिस्ट्रीशीटर है। उसके ऊपर कई गंभीर अपराधों के मामले दर्ज हैं, जैसे मारपीट, तोड़फोड़, चोरी, लूट, आबकारी एक्ट, और आर्म्स एक्ट के मामले। वह पहले भी जेल जा चुका है। पुलिस की गिरफ्त में आते ही उसकी हेकड़ी पूरी तरह निकल गई और वह डर के मारे पुलिस के सामने कुछ अलग ही भाषा बोलने लगा।

क्या हुआ था उस रात? 22 नवंबर की रात को एक डिलीवरी एजेंट भागीरथी साहू अपने घर लौट रहे थे, जब उनका पेट्रोल खत्म हो गया और उनकी गाड़ी बंद हो गई। वे अपनी गाड़ी को धकेलते हुए जा रहे थे, तभी करीब रात 2.30 बजे, एक एक्टिवा पर सवार तीन लोग उनके पास पहुंचे। उन लोगों ने भागीरथी को धमकाया और पैसे, मोबाइल, पहचान पत्र और चाकू से हमला कर उनकी गले पर वार किया। पीड़ित भागीरथी साहू ने घटना के बाद पुलिस में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने इसके बाद मामले की गंभीरता को समझते हुए तुरंत आरोपियों की तलाश शुरू की।

पुलिस की कार्रवाई पुलिस ने जांच के दौरान यह पता लगाया कि इस लूटपाट में कैश उर्फ गौस खान भी शामिल था। वह पहले से ही कई आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और उसके साथ इस अपराध में शामिल दो अन्य आरोपियों का भी पता लगाया। इसके बाद पुलिस ने गौस खान को सड़कों पर परेड निकाली, जिससे उसका आत्मविश्वास पूरी तरह टूट गया।

वायरल वीडियो जब पुलिस ने गौस खान की परेड निकाली, तो वह पुलिस के सामने बोलते हुए कह रहा था, अपराध करना पाप है, पुलिस हमारा बाप है। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, और लोग इसे देखकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। यह घटना साबित करती है कि अपराधियों को उनकी हैसियत बताने के लिए पुलिस को सख्त कदम उठाने की जरूरत है। इस तरह की कार्रवाई से अपराधियों में डर पैदा होता है और समाज में कानून का डर फैलता है। अब यह मामला सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है, और लोग इसे पुलिस की कड़ी कार्रवाई की सराहना कर रहे हैं।

भारतीयों के लिए यूरोप का वीजा लेना हुआ मुश्किल पहले से तीन गुना जटिल हुई प्रक्रिया

भारतीय यात्रियों के लिए यूरोप के 29 देशों का शेनजेन वीजा प्राप्त करना दिनों-दिन जटिल होता जा रहा है। 2013 से 2023 के बीच शेनजेन जोन में वीसा अर्जियों के रद्द होने की दर 5% से बढ़कर 16% हो गई है। इस बढ़ती कठिनाई के कारण भारतीय यात्रियों को यात्रा योजनाओं में कई बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। शेनजेन वीजा के लिए सामान्य फीस 6000 है, लेकिन भारतीयों को अतिरिक्त 1900 चुकाने पड़ते हैं। जबकि ब्रिटिश वीजा 12,700 और अमेरिकी वीसा 15,600 में मिलता है। विशेष सुविधाओं, जैसे लाउंज या ऑफ-ऑवर आवेदन, के लिए अतिरिक्त 2500-16,000 तक का खर्च होता है। वीजा प्रक्रिया का लगभग 40% हिस्सा प्राइवेट कंपनियों के जरिए आउटसोर्स किया जाता है। वीएफएस ग्लोबल, टीएलएस कॉन्टैक्ट और बीएलएस इंटरनेशनल जैसी कंपनियों का इस क्षेत्र में 70% नियंत्रण है। इन्वेस्टमेंट फर्म नुवामा ग्रुप के अनुसार, वीसा आउटसोर्सिंग इंडस्ट्री हर साल 9त्न की दर से बढ़ रही है और 2030 तक इसका मूल्य 42,000 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। यूरोप जाने वाले यात्रियों को बैंक स्टेटमेंट, पे स्लिप, टैक्स रिटर्न जैसी कई दस्तावेज़ी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। आवेदन के बाद भी कई बार अर्जियां अस्वीकृत हो जाती हैं, जिससे सम और धन दोनों की बर्बादी होती है। खास बात यह है कि यूरोप जाने के लिए अमीर देशों के लिए वीजा में छूट है लेकिन विकासशील देशों पर बोझ डाला गयाहै। अमीर देशों के नागरिकों को कई देशों में वीजा की आवश्यकता नहीं होती, लेकिन भारतीय जैसे विकासशील देशों के यात्रियों को भारी फीस और लंबी प्रक्रिया का सामना करना पड़ता है। 2023 में यूरोपीय संघ ने वीजा फीस से 7600 करोड़ की कमाई की। इस बढ़ती आय के साथ वीजा प्रक्रिया अब केवल यात्रा अनुमति नहीं, बल्कि सरकारी राजस्व का अहम हिस्सा बन गई है। वीजा की लंबी प्रक्रिया और कड़े नियम भारत से विदेश यात्रा को और कठिन बना रहे हैं। भारतीय यात्रियों के लिए यूरोपीय और अमेरिकी वीसा प्रक्रिया में आने वाली ये कठिनाइयां न केवल यात्रा योजनाओं को प्रभावित करती हैं, बल्कि समय और धन की बर्बादी भी बढ़ाती हैं। सरकारों और आउटसोर्सिंग कंपनियों के लिए यह आय का साधन बन चुका है, लेकिन यात्रियों के लिए यह एक बड़ी चुनौती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0 ।31-4202569 फैक्स नं : 0 ।31-4202569